Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 07 अंक: 312 | मंगलवार, 17 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जनगणना में कोई न छूटे, सटीक आंकड़ों से बनेगी प्रदेश के विकास की कार्ययोजना: सीएम योगी

70 वर्षों तक योजनाओं से वंचित रहा समाज का बड़ा तबका, सटीक आंकड़ों से प्रशस्त होगा डाटा बेस्ड गवर्नेंस का मार्ग: मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनगणना के सटीक आंकड़े प्रदेश के समग्र विकास की ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आधार बनेंगे। जनगणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है।

सही और विश्वसनीय डाटा से ही यह तय किया जा सकेगा कि कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को लोक भवन सभागार में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्वगणना एवं घर-घर जनगणना प्रक्रिया का शुभारंभ किया। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना होगी, जबकि 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने पुराने संघर्षों का स्मरण करते हुए कहा कि मुसहर जाति समाज का सबसे विपन्न तबका था, जिसके पास न पक्की झोपड़ी थी और न ही राशन कार्ड। अगर ईमानदारी से पिछली जनगणनाओं में उनका नाम और उनकी विपन्नता दर्ज की गई होती, तो प्रथम पंचवर्षीय योजना से ही उन्हें लाभ मिलना शुरू हो जाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद प्रदेश सरकार ने ऐसे वंचित वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि जब वे किसी परिवार की चौखट पर जाएं, तो स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि अक्सर लोगों में अपनी जानकारी साझा करने को लेकर संकोच या भय होता है। ऐसे में कर्मियों का व्यवहार अत्यंत विनम्र और धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

1 दिसंबर से होगी घर-घर जनगणना

मुख्यमंत्री ने बताया कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरूआत हो रही है। अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी, लेकिन उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्वगणना चलेगी। इसके बाद 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर घर जाकर लोगों से 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं जिनमें धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय, मातृभाषा आदि जैसे बिंदु शामिल हैं उन पर सटीक जानकारी जुटाएंगे।

स्वगणना के लिए आगे आएं युवा और आम नागरिक

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से प्रदेश के युवाओं से अपील की कि वे 16 से 30 नवंबर के बीच स्वगणना की सुविधा का उपयोग करें। अपने माता-पिता, बुजुर्गों और पड़ोसियों की ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने में मदद करें। स्वगणना पूरी होने के बाद प्राप्त आईडी सुरक्षित रखें और जरूरत पड़ने पर हेल्पलाइन नंबर 1855 का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन अभियान का नेतृत्व करे, जनप्रतिनिधि जनजागरूकता बढ़ाएं, आम नागरिक सहयोग करें।

बिहार से लेकर दिल्ली-एनसीआर तक छठ की धूम



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार से लेकर पूरे भारत और विश्व के विभिन्न देशों तक लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन पर्व की अद्भुत छटा दिल्ली-एनसीआर में भी देखने को मिली, जहां हजारों की संख्या में छठ व्रतियों ने पूरी निष्ठा और पवित्रता के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की। दिल्ली से लेकर नोएडा तक घाटों और आवासीय सोसाइटियों में भक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दिया।

छठ महापर्व के अवसर पर व्रतियों ने परंपरा के अनुसार पहले रविवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और फिर आज प्रातःकाल उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर अपने व्रत का पारण किया। पानी में खड़े होकर सूर्यदेव की उपासना करतीं व्रती महिलाएं, हाथों में फल, फूल और प्रसाद से सजे सूप, गूंजते छठी मैया के गीत और दीपों से जगमगाते घाट इस पर्व की आध्यात्मिक भव्यता को दशार्ते रहे। हम आपको बता दें कि दिल्ली में इस बार यमुना के किनारे छठ पूजा की विशेष छटा देखने को मिली। यमुना की सफाई के बाद व्रतियों ने नदी किनारे बेहतर व्यवस्थाओं के बीच छठ पर्व का आयोजन किया। श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना की।

कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे पर अखिलेश यादव का बड़ा बयान

'जो पार्टी जीतने की स्थिति में होगी, उसे ही टिकट मिलेगा'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

इस बीच, समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन और सीट-बंटवारे के फॉर्मूले को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। मैनपुरी में मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे पर बातचीत आगे बढ़ेगी और टिकट वितरण का मुख्य आधार केवल और केवल उम्मीदवार या पार्टी की जीत की संभावना ('विनेबिलिटी') होगी। अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या को लेकर खींचतान की खबरें सामने आ रही हैं और मंगलवार, 17 नवंबर को दोनों पार्टियों के बीच एक अहम बैठक प्रस्तावित है।

सपा का ध्यान जाति-आधारित लामबंदी पर

इस बीच, विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक दलों ने विभिन्न जाति समूहों को एकजुट करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव की 'ढउआ' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। रविवार को आगरा में समाजवादी पार्टी ने एक दलित सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें अखिलेश यादव शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बीजेपी का राजनीतिक आधार खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मकसद सिर्फ बीजेपी को हराना नहीं, बल्कि उसे राजनीति से हमेशा के लिए खत्म करना है।

हनी ट्रैप जासूसी का सिर्फ एक पहलू, साइबर हमलों और अंदरूनी लोगों से रक्षा क्षेत्र को खतरा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। एयर स्टाफ के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि भारत के रक्षा उद्योग को कई तरह से जासूसी का खतरा है, जिसमें साइबर माध्यम, हनी ट्रैप और अंदरूनी लोगों से जुड़े खतरे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं है; संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए तकनीकी सुरक्षा उपायों के साथ-साथ संस्थागत कदमों की भी जरूरत है। दिल्ली में आयोजित 'ANI नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0' में बोलते हुए, दीक्षित से पूछा गया कि क्या भारत का रक्षा उद्योग भी हनी ट्रैप की चपेट में आ सकता है और ऐसे खतरों से कैसे निपटा जा सकता है। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हनी ट्रैप जासूसी की एक बड़ी चुनौती का बस एक हिस्सा है। आजकल जासूसी मुख्य रूप से साइबर माध्यमों और लोगों को प्रलोभन देकर की जा रही है।

दीक्षित ने बताया कि भारतीय वायु सेना के नेटवर्क एयर-गैप्ड हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें बाहरी नेटवर्क से अलग रखा गया है, ताकि सीधे कनेक्शन के जरिए होने वाले साइबर हमलों को रोका जा सके। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि 'अंदरूनी खतरे' अभी भी चिंता का विषय बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन के भीतर मौजूद लोगों को निशाना बनाए जाने या उनके प्रभावित होने की संभावना को ध्यान में रखा जा रहा है, और इससे निपटने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

कमाई की गारंटी नहीं, खर्च तय

आरडीसी वाहन-मुक्त क्षेत्र की निविदा पर उठे सवाल

ललित शर्मा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (आरडीसी) के वाहन-मुक्त क्षेत्र के संचालन और प्रबंधन के लिए जीडीए ने 15 साल की निविदा जारी की है।

निविदा की शर्तों के बीच संभावित संचालक के सामने सवाल है—जब आमदनी तय नहीं, तो हर साल बढ़ते किराये और पूरे क्षेत्र के रखरखाव का खर्च कैसे निकलेगा?

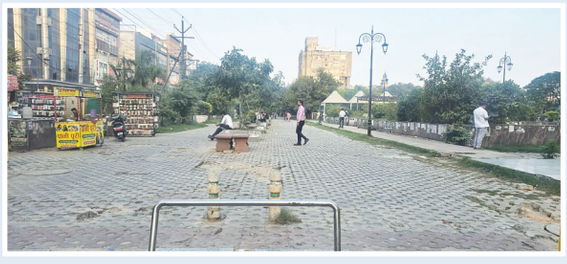
निविदा दस्तावेजों के मुताबिक, संचालक को जीडीए को तय लीज किराया देना होगा, जो हर साल 5 प्रतिशत बढ़ेगा।

पहले साल का किराया व्यावसायिक गतिविधियां शुरू होने से पहले जमा करना होगा। ग्राहक कम आएं या दुकानें खाली रहें, तब भी किराये में राहत का प्रावधान दस्तावेजों में दिखाई नहीं देता।

सफाई, सुरक्षा, सीसीटीवी, कर्मचारी, बिजली-पानी, कूड़ा प्रबंधन और छोटी-मोटी मरम्मत का खर्च भी संचालक को उठाना होगा। कमाई के संभावित स्रोत—जैसे कियोस्क, फूड स्टॉल, बाजार, आयोजन और विज्ञापन—जीडीए की मंजूरी पर निर्भर होंगे।

दस्तावेजों में इनसे होने वाली आमदनी की कोई गारंटी नहीं दी गई है। साथ ही, कम-से-कम 6 मीटर का आपातकालीन रास्ता खाली रखना अनिवार्य है, जिससे व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध जगह सीमित हो सकती है।





22 लाख ईएमडी, पांच करोड़ टर्नओवर की शर्त

निविदा में 22 लाख रुपये ईएमडी, 18,054 रुपये शुल्क और पांच करोड़ रुपये औसत वार्षिक टर्नओवर की शर्त रखी गई है। समान परियोजना का अनुभव भी अनिवार्य है। इससे छोटे स्थानीय कारोबारियों की भागीदारी प्रभावित होने की आशंका है।

बीओक्यू की मदों पर भी सवाल

बीओक्यू में कुछ ऐसी निर्माण मदें शामिल हैं, जिनका वाहन-मुक्त क्षेत्र की परियोजना से सीधा संबंध स्पष्ट नहीं है। सवाल यह है कि क्या जीडीए ने निविदा जारी करने से पहले संभावित आमदनी और खर्च का व्यावहारिक आकलन किया है? व्यावसायिक जगह और बीओक्यू की मदों पर भी स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत है।



संपादक की कलम

अंत का कारण,अहंकार के दस शीश, कितना शेष मनुष्य



ललित शर्मा
संपादक

जो राष्ट्र या समाज केवल भौतिक उन्नति को ही सब कुछ मान बैठता है, उसका आध्यात्मिक और नैतिक पतन अवश्यभावी है। मनुष्य ने अपनी बुद्धि, परिश्रम और विवेक के बल पर सभ्यता का निर्माण किया। आर्थिक समृद्धि अर्जित की, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कीं तथा प्रकृति की अनेक चुनौतियों को नियंत्रित करने का प्रयास किया। लेकिन इस विकास यात्रा में एक विडंबनापूर्ण स्थिति भी पैदा हुई। धन, जो कभी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन हुआ करता था, धीरे-धीरे प्रतिष्ठा, शक्ति, प्रभाव और वर्चस्व का पर्याय बनता चला गया। आज प्रश्न यह नहीं है कि मनुष्य कितना धनवान है, बल्कि यह है कि धनवान होने के बाद उसके भीतर कितना मनुष्य शेष रह गया है। धन का अतिरेक जब विवेक और विनम्रता से अलग होता है, तब अहंकार जन्म लेता है और यही अहंकार धीरे-धीरे मानवीय संवेदनाओं के क्षरण का कारण बन जाता है। व्यक्ति के जीवन में धन की उपयोगिता निर्विवाद है। धन से परिवार की आवश्यकताएं पूरी होती हैं, शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा के अवसर प्राप्त होते हैं। लेकिन जब धन ही मनुष्य की पहचान और दूसरों को आंकने का पैमाना बन जाता है, तब उसके व्यवहार में असमानता, उपेक्षा और श्रेष्ठता का भाव आने लगता है। वह अपने से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले व्यक्ति को सम्मान की दृष्टि से देखना भूल जाता है। रिश्तों में आत्मीयता की जगह स्वार्थ, सामाजिक संबंधों में संवेदना की जगह प्रदर्शन और जीवन में संतोष की जगह संग्रह की असीमित आकांक्षा स्थापित होने लगती है। एक ऐसा वर्ग भी विकसित होता है जिसके लिए धन कमाना ही सफलता और धन का प्रदर्शन ही प्रतिष्ठा बन जाता है। महात्मा गांधी का प्रसिद्ध विचार है कि पृथ्वी पर मनुष्य की जरूरतों की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन उसके लालच के लिए नहीं। यह कथन आज की आर्थिक असमानता और असीमित उपभोग की मानसिकता पर सटीक टिप्पणी है। धन का अहंकार केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता। जब यही मानसिकता व्यापारिक संस्थानों, आर्थिक समूहों और राजनीतिक सत्ता के केंद्रों तक पहुंचती है, तब उसका स्वरूप और अधिक व्यापक तथा खतरनाक हो जाता है। पूंजी का उद्देश्य यदि केवल अधिक पूंजी अर्जित करना बन जाए और आर्थिक शक्ति का इस्तेमाल सामाजिक कल्याण के स्थान पर नीतियों तथा निर्णयों को अपने पक्ष में प्रभावित करने के लिए होने लगे, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना प्रभावित होती है। आर्थिक असमानता सामाजिक असंतोष को जन्म देती है और धीरे-धीरे समाज में विश्वास तथा समान अवसरों का आधार कमजोर होने लगता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक लोकतंत्र के लिए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को आवश्यक माना था। उनका चिंतन हमें बताता है कि केवल राजनीतिक अधिकार पर्याप्त नहीं हैं, जब तक समाज में आर्थिक और सामाजिक समानता की दिशा में वास्तविक प्रयास न हों। यही धन और शक्ति का अहंकार जब राष्ट्रों के बीच पहुंचता है, तब उसके परिणाम कहीं अधिक विनाशकारी हो जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आर्थिक प्रभुत्व, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण, ऊर्जा के स्रोतों पर अधिकार, सामरिक महत्व के क्षेत्रों में प्रभाव और वैश्विक बाजारों पर पकड़ स्थापित करने की प्रतिस्पर्धा अनेक बार देशों को टकराव की ओर ले जाती है। राजनीतिक नेतृत्व जब अपने राष्ट्र की प्रतिष्ठा को दूसरे राष्ट्रों पर प्रभुत्व स्थापित करने से जोड़ने लगता है, तब कूटनीति और संवाद पीछे छूट जाते हैं। सत्ता का विस्तार राष्ट्रीय हितों की आड़ में व्यक्तिगत अथवा राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का माध्यम भी बन

सकारात्मक सोच का संकल्प

किशन भावनानीं

कविता



सकारात्मक सोच में छिपी,हर मुश्किलकी दवा होती है
अडिग विश्वास की शक्ति से,हर राह आसान होती है।
विघ्न चाहे कितने आएँ,हौसलों को डिगने न दो,
उम्मीदों के दीप जलाकर,अंधियारे को टिकने न दो।

रास्तों में काँटे हों तो,उन्हें फूलों में बदलना सीखो,
मुश्किलों की हर चुनौती से,नया सबक लेना सीखो।
नकारात्मक विचारों को,मन के द्वार से दूर करो,
सकारात्मक दृष्टिकोण से,हर बाधा को चूर करो।

सोच बदलते ही अक्सर,परिस्थितियाँ बदल जाती हैं,
बंद पड़ी संभावनाएँ भी,नई राहें दिखलाती हैं।
जिस मन में विश्वास जगे,वह हार नहीं स्वीकारता,
हर ठोकर को सीढ़ी बनाकर,मंजिल का द्वार निहारता।

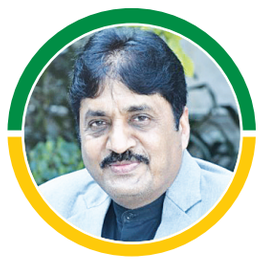
न विघ्नों से घबराना है,न कठिनाइयों से हारना है,
हर विपरीत परिस्थिति में,उम्मीद का हाथ थामना है।
संकल्पों की मशाल लेकर,निरंतर आगे बढ़ते जाओ,
अपनी सकारात्मक सोच से,सफलता के दीप जलाओ।

सोच सकारात्मक हो तो,हर पत्थर राह बन जाता है,
दृढ़ निश्चय का यात्री ही,इतिहास नया रच जाता है।
किशन विघ्न हटाने की शक्ति,अपने विचारों में होती है,
जीत कदम चूमती है,जिसकी सोच सकारात्मक होती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत अंबानी की मानवीय सेवा यात्रा



ललित गर्ग
लेखक

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है-क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों-खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण-संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन-दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है।

लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है।

अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को जन्म देती है-किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह



सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं, जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं। यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग-घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है, तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है।

वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। यहां पशुओं के उपचार, पुनर्वास और संरक्षण के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। रिलायंस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वंतारा में विशेषीकृत वन्यजीव अस्पताल, पशु चिकित्सा सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, पोषण केंद्र और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम भी संचालित हैं। यानी यह केवल 'पशुओं को बचाने' की भावना नहीं है, इसके साथ विज्ञान, चिकित्सा, जैव-विविधता और दीर्घकालीन संरक्षण को जोड़ा गया है। यही वह जगह है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति कहती है-'अहिंसा परमो धर्मः', जबकि आधुनिक विज्ञान कहता है कि जैव-विविधता का संरक्षण मानव सभ्यता के भविष्य के लिए आवश्यक है। वंतारा इन दोनों विचारों को एक साझा धरातल देता है। इसी सोच का विस्तार अक्टूबर 2026 में आरंभ हुई 'चैंपियंस ऑफ केयर' पहल में भी दिखाई देता है। विश्व पशु दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत 50 से अधिक पशु कल्याण संगठनों को साथ लाने का प्रयास किया गया है, जो सामुदायिक कुत्तों, बिल्लियों, मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चिकित्सा, बचाव और दीर्घकालीन देखभाल का काम करते हैं। इसका लक्ष्य पशु कल्याण को केवल एक बड़े केंद्र तक सीमित रखने के बजाय देशभर के जमीनी संगठनों तक सहायता पहुँचाना है। यहाँ अनंत अंबानी के दृष्टिकोण की एक और विशेषता दिखाई देती है-केंद्रीकरण से सहयोग की ओर बढ़ना। यदि देश में पहले से काम कर रहे छोटे-छोटे पशु कल्याण संगठन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें खत्म करने के बजाय मजबूत करना अधिक प्रभावी सामाजिक मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में पशु कल्याण के लिए एक राष्ट्रीय नेटवर्क का आधार बन सकता है। अनंत की सोच को केवल भावुकता कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इतने बड़े पशु-कल्याण अभियानों की वास्तविक कसौटी पारदर्शिता, वैज्ञानिक मानक, पशु-अधिकार, दीर्घकालीन पुनर्वास, जैव-सुरक्षा और स्वतंत्र मूल्यांकन होगी। वंतारा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ प्रश्न और बहसें भी हुई हैं, इसलिए ऐसे विशाल संस्थानों के लिए पारदर्शिता और प्रमाण-आधारित संचालन उतना ही आवश्यक है जितना करुणा। यही आलोचनात्मक कसौटी किसी भी बड़े परोपकारी प्रयास को अधिक विश्वसनीय बनाती है। करुणा भाव है, लेकिन करुणा का स्थायी प्रभाव व्यवस्था से पैदा होता है। इसीलिए अनंत अंबानी के बारे में यह कहना अधिक उचित होगा कि वे व्यापार की पुरानी परिभाषा को अस्वीकार करने के बजाय उसमें एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि उन्होंने स्वयं सिद्ध कर दिया है कि हर बड़ा व्यापार ईमानदारी और नैतिकता से ही चलता है, पर यह अवश्य कहा जा सकता है कि उनका सार्वजनिक आचरण यह संदेश देता है कि व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और मानवीय संवेदना एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। अनंत अंबानी के व्यक्तित्व का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम उनके हालिया जियो संबोधन में सामने आया। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता के अवसर पर उन्होंने सफलता का श्रेय केवल परिवार या प्रबंधन को नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को दिया। उन्होंने व्यापार को पूजा और शेयर बाजार की घंटी को मंदिर की घंटी से जोड़ते हुए कहा कि पूजा का प्रसाद बांटा जाता है और 'आज जियो भारत के साथ साझा किया गया है।' उनके संबोधन के दौरान मुकेश अंबानी भावुक होकर आँसू पोंछते दिखाई दिए। यह प्रसंग महज पारिवारिक भावुकता नहीं था। इसमें व्यापार के अर्थ की एक नई व्याख्या छिपी थी-व्यापार केवल मालिक का नहीं, उससे जुड़े करोड़ों लोगों का भी होता है। जियो की सफलता को उन्होंने कर्मचारियों, तकनीशियनों, सेवा-कर्मियों, खुदरा भागीदारों और सामान्य भारतीयों की भागीदारी से जोड़ा। यही दृष्टि व्यापार को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाती है। एचएफसीएल के अध्यक्ष एवं दूरसंचार क्षेत्र के वरिष्ठ उद्योगपति महेंद्र नाहटा लंबे समय से जियो की यात्रा से जुड़े रहे हैं और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के निदेशक मंडल में भी रहे हैं। उनके दृष्टिकोण से अनंत अंबानी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह मानी जा सकती है कि उन्होंने तकनीक और व्यवसाय की आधुनिक दुनिया को सेवा, संस्कार और संवेदना से जोड़ने की कोशिश की है। जियो की ऐतिहासिक सफलता के अवसर पर अनंत के भावपूर्ण संबोधन में नाहटा ने भी भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और मानवीय संवेदना के संगम की झलक देखी-ऐसा विचार उनके हालिया लेख में व्यक्त हुआ है। अनंत ने एक महत्वपूर्ण बहस शुरू कर दी है-क्या कारोबार का अंतिम लक्ष्य केवल लाभ है, या लाभ के साथ लोकमंगल भी? यदि व्यापार में तकनीक हो, तो वह विकास बनता है। उसमें पूंजी हो, तो वह विस्तार बनता है। लेकिन उसमें करुणा जुड़ जाए, तो वही व्यापार सेवा का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की गौसेवा, वंतारा और सामुदायिक पशु कल्याण की पहलें इसी संभावित परिवर्तन की कहानी कहती हैं।

वंदे भारत की रफ्तार, स्टेशनों पर सुविधाओं का अकाल



लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत में रेलवे केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि देश की आर्थिक जीवनरेखा सामाजिक संपर्क का माध्यम और करोड़ों परिवारों की यात्रा का आधार है।पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण को नई गति देने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस अमृत भारत एक्सप्रेस नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र परिवहन सेवा तथा आधुनिक वंदे मेट्रो यानें नमो भारत रैपिड रेल जैसी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। फिर इसके साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, आधुनिक प्लेटफॉर्म,बेहतर यात्री प्रतीक्षालय और डिजिटल सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है।प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री इन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शुभारंभ के माध्यम से आधुनिक भारत के रेलवे की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं।निश्चित रूप से ये उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा किसोमवार दिनांक 16 नवंबर 2026 को आए सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णायक जजमेंट ने इसी चमकदार तस्वीर के पीछे छिपी बुनियादी सुविधाओं की वास्तविक स्थिति ने अब राष्ट्रीय स्तरपर एक गंभीर बहस छेड़ दी है।इस मामले की कानूनी पहचान सर्वोच्च न्यायालय की 16 नवंबर 2026 की आधिकारिक वाद सूची में डब्ल्यू.पी.(सी) नंबर 1247/2026,कृष्णकांत बनाम भारत संघ एवं अन्य के रूप में दर्ज है।यह मुख्य न्यायाधीश की अदालत में क्रमांक 12 पर सूचीबद्ध था।आधिकारिक वाद सूची में प्रतिवादी के रूप में भारत संघ एवं अन्य दर्ज हैं। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सहित तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष हुई।16 नवंबर 2026 को उपलब्ध समाचार रिपोर्टों के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका का निपटारा करते हुए रेल मंत्रालय को रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा कैग की ऑडिट रिपोर्ट में दिए गए सुझावों और सिफारिशों को लागू करने का निर्देश दिया।सवाल यह है कि जिस रेलवे में अत्याधुनिक ट्रेनें दौड़ रही हों,वहां यात्री को पीने का सुरक्षित पानी,बैठने के लिए पर्याप्त जगह और स्वच्छ शौचालय तक उपलब्ध नहीं हो,तो उस आधुनिकीकरण की प्राथमिकताओं का मूल्यांकन सटिका से कैसे किया जाए?

साथियों बात अगर हम 16 नवंबर 2026:सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण हस्तक्षेप और मामले की कानूनी पहचान को समझने की करें तो,अब इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक पक्ष सामने आता है। कैग की रिपोर्ट के आधार पर रेलवे स्टेशनों पर बुनियादी यात्री सुविधाओं की कमी, असुरक्षित पेयजल, शौचालयों की बदहाली, कचरा प्रबंधन और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को लेकर कृष्णकांत नामक याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल की थी।याचिका में केवल सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग नहीं की गई थी, बल्कि पेयजल की नियमित बैक्टीरियोलॉजिकल और रासायनिक जांच, ई- कोलाई तथा अन्य दूषित तत्वों की पहचान, असुरक्षित जल स्रोतों को तत्काल बंद करके वैकल्पिक सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने, शौचालयों की नियमित सफाई,कचरा प्रबंधन चिकित्सा सहायता और दिव्यांग यात्रियों की सुविधाओं के लिए समयबद्ध सुधार व्यवस्था की मांग भी उठाई गई थी।इसके साथ ही लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और पारदर्शी निगरानी तंत्र विकसित करने का मुद्दा भी उठाया गया था।यहां एक कानूनी तथ्य स्पष्ट करना आवश्यक है कि सर्वोच्च न्यायालय का याचिका निपटाने का निर्देश और कैग की रिपोर्ट की प्रत्येक सिफारिश पर अलग- अलग समय-सीमा निर्धारित करना दो अलग बातें हैं। उपलब्ध समाचारों में मंत्रालय को सुविधाएं सुनिश्चित करने और कैग की सिफारिशें लागू करने का निर्देश बताया गया है। इसलिए इसे प्रत्येक कमी के लिए न्यायालय द्वारा अलग समय-सीमा अथवा अधिकारियों के विरुद्ध दंड निर्धारित करने वाला आदेश नहीं समझनाचाहिए।

साथियों बात अगर हम कैग की रिपोर्ट संख्या 31, 2026 ने खोली रेलवे की बुनियादी सुविधाओं की पोल को समझने की करें तो,इस पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक अर्थात कैग की रिपोर्ट संख्या 31, 2026 है।इसका आधिकारिक शीर्षक



पैसेंजर अमेनिटीज एंड सनिटेशन एट नॉन - सुबुर्बन रेलवे स्टेशन्स इन इंडियन रेलवेज है।यह रिपोर्ट रेल मंत्रालय के अंतर्गत गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और स्वच्छता की स्थिति का अनुपालन ऑडिट है। इसे 12 अगस्त 2026 को लोकसभा और राज्यसभा के पटल पर रखा गया था।ऑडिट में वर्ष 2019-20 से 2023-24 की अवधि की गतिविधियों की जांचकी गई तथा आवश्यकता के अनुसार कुछ अन्य वर्षों के उदाहरण भी शामिल किए गए।यह सर्वेक्षण देश के 16 रेलवे जोनों के 512 चयनित रेलवे स्टेशनों पर किया गया था।रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि जांच किए गए 512 स्टेशनों में से 458 स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक यात्री सुविधाओं में एक या उससे अधिक की कमी पाई गई। दूसरे शब्दों में 89 प्रतिशत से अधिक स्टेशन निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इसके विपरीत केवल 54 स्टेशन, अर्थात लगभग 11 प्रतिशत स्टेशन, ऐसे थे जहां सभी निर्धारित न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध थीं। इसका अर्थ यह नहीं है कि 458 स्टेशनों पर कोई भी सुविधा नहीं थी, बल्कि यह है कि वहां एक या अधिक आवश्यक सुविधाएं अनुपस्थित थीं अथवा निर्धारित मानक से कम थीं। यह अंतर समझना भी जरूरी है, ताकि रिपोर्ट के निष्कर्षों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत न किया जाए।

साथियों बात अगर हम पेयजल से लेकर पंखों तक, यात्रियों की रोजमर्रा की परेशानियां इसको समझने की करें तो,कैग ने जिन न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की जांच की, उनमें पेयजल, पानी के नल, वाटर कूलर, यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, प्रतीक्षालय प्लेटफॉर्म शेल्टर,पंखे, शौचालय, मूत्रालय, घड़ियां, कूड़ेदान और सूचना संकेतक प्रमुख हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 42 प्रतिशत स्टेशनों पर पंखों की कमी, 40 प्रतिशत पर वाटर कूलर की कमी, 27 प्रतिशत परपेयजल नलों की कमी और 22 प्रतिशत पर मूत्रालयों की कमी सामने आई। इसके अलावा 15 प्रतिशत स्टेशनों पर बैठने की व्यवस्था, 13 प्रतिशत पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और 12 प्रतिशत पर शौचालयों की निर्धारित उपलब्धता में कमी पाई गई। ये आंकड़े बताते हैं किसमस्या केवल किसी एक छोटे स्टेशन अथवा किसी एक रेलवे जोन तक सीमित नहीं है,बल्कि विभिन्न श्रेणियों के स्टेशनों में यात्री सुविधाओं के नियोजन, उपलब्धता और रखरखाव से सटीकता से जुड़ी व्यापक चुनौती है।

साथियों बात अगर हम सबसे गंभीर चिंता वाटर कूलर के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया को समझने की करें तो इस रिपोर्ट का सबसे संवेदनशील और स्वास्थ्य की दृष्टि से चिंताजनक पहलू पेयजल की गुणवत्ता है। कैग ने पाया कि निर्धारित समयावधि के अनुसार पानी की जांच नहीं की जा रही थी। कई स्थानों पर बैक्टीरियोलॉजिकल और रासायनिक परीक्षणों में भी कमियां थीं। रिपोर्ट में आठ स्टेशनों के वाटर कूलर के पानी के नमूनों में ई- कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि दर्ज की गई। इनमें दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद, मध्य रेलवे के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, भिवंडी रोड, कल्याण और लोनावला, दक्षिण रेलवे के कोयंबटूर और पलक्कड़ जंक्शन तथा पूर्व रेलवे के मधुपुर स्टेशन शामिल थे। इसके अतिरिक्त 2022-23 में 49 स्टेशनों तथा 2023-24 में 56 स्टेशनों के नल के पानी के नमूनों में टोटल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पाए जाने की जानकारी दी गई। यह केवल सुविधा की कमी नहीं, बल्कि यात्रियों के स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वच्छता से जुड़ा गंभीर विषय है।

साथियों बात अगर हम शौचालयों की बदहाली और 441 स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा का अभाव को समझने की करें तो,रिपोर्ट के अनुसार 512 में से 15 रेलवे स्टेशनों पर एक भी कार्यशील शौचालय उपलब्ध नहीं था। इसके अतिरिक्त 144 स्टेशनों के 334 प्लेटफॉर्मों पर पे एंड यूज शौचालय की सुविधा नहीं थी। इनमें से 229 प्लेटफॉर्म ऐसे थे जहां न तो पे एंड यूज और न ही रेलवे द्वारा संचालित शौचालय यात्रियों के उपयोग के लिए उपलब्ध था। महिलाओं के लिए अलग शौचालय और अन्य स्वच्छता सुविधाओं में भी कमियां सामने आईं। लेकिन इससे भी अधिक गंभीर तथ्य यह है कि 441 रेलवे स्टेशनों पर न तो आपातकालीन चिकित्सा कक्ष उपलब्ध था और न ही निर्धारित चिकित्सा सहायता बॉक्स। केवल 17 स्टेशनोंपर एआईआईएमएस की सिफारिशों के अनुरूप चिकित्सा कक्ष और मेडिकल बॉक्स दोनों उपलब्ध थे। इसका सीधा अर्थ है कि किसी यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ने अथवा दुर्घटना की स्थिति में रेलवे स्टेशनों पर तत्काल चिकित्सा सहायता की व्यवस्था बेहद कमजोर पाई गई।

साथियों बात अगर हम दिव्यांग यात्रियों की सुविधाओं पर भी गंभीर सवाल को समझने की करें तो,कैग ने दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की भी जांच की। 512 स्टेशनों में से 12 पर व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं थीं। दिव्यांग यात्रियों के लिए 159 प्रमुख श्रेणी के स्टेशनों में से 133 पर ट्रेन में चढ़ने और उतरने के लिए निर्धारित पोर्टेबल रैंप उपलब्ध नहीं थे। इसके अलावा दिव्यांग अनुकूल शौचालय, स्पर्श आधारित मार्ग, प्राथमिकता वाली बैठने की व्यवस्था और कम ऊंचाई वाले टिकट काउंटर जैसी सुविधाओं में भी कमियां दर्ज की गईं। रिपोर्ट में 5,920 स्टेशनों के व्यापक आंकड़ों के आधार पर 1,759 स्टेशनों पर दिव्यांग अनुकूल शौचालय अनुपलब्ध अथवा मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। यह स्थिति हमें याद दिलाती है कि आधुनिक रेलवे का मूल्यांकन केवल तेज गति से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाएं और बच्चे कितनी सहजता एवं सम्मान के साथ सटिका से यात्रा कर सकते हैं। साथियों बात अगर हम

5,956 करोड़ खर्च नहीं हुए, फिर भी सुविधाओं की कमी क्यों? इसको समझने की करें तो,इस पूरे मामले का सबसे बड़ा आर्थिक विरोधाभास यात्री सुविधाओं के लिए आवंटित बजट के उपयोग में दिखाई देता है। कैग के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक यात्री सुविधाओं के लिए आवंटित बजट का 36 से 44 प्रतिशत हिस्सा खर्च नहीं हो पाया। विशेष रूप से 2023-24 में लगभग

5,956 करोड़ अर्थात आवंटित बजट का 42 प्रतिशत उपयोग नहीं किया गया। पांच वर्षों के आंकड़े क्रमशः 2019-20 में 1,403 करोड़, 2020-21 में 1,499 करोड़, 2021-22 में 1,423 करोड़, 2022-23 में 1,198 करोड़ और 2023-24 में 5,956 करोड़ के कम उपयोग को दशार्ते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि केवल बजट आवंटित कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही 2019-20 से 2023-24 के बीच यात्री सुविधाओं से जुड़े 395 कार्यों की समीक्षा में केवल 41 प्रतिशत कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हुए, जबकि 59 प्रतिशत कार्यों में देरी हुई। कुछ परियोजनाएं तीन वर्ष से अधिक समय तक लंबित रहीं। कैग ने इसके पीछे दोषपूर्ण योजना, सामग्री और कुशल श्रमिकों की अनुपलब्धता तथा ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं जैसे कारणों को रेखांकित किया। यानी समस्या केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि प्रशासनिक योजना, निगरानी और कार्यान्वयन की कमजोरी भी है। साथियों बात अगर हम आधुनिक रेलवे की असली सफलता का पैमाना क्या होना चाहिए? इसको समझने की करेंतो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेलवे का आधुनिकीकरण केवल तेज गति वाली ट्रेनों, आकर्षक स्टेशनों, स्वचालित टिकट प्रणाली और डिजिटल सुविधाओं से नहीं मापा जाता। विश्वस्तरीय रेलवे व्यवस्था का वास्तविक मूल्यांकन सुरक्षा,स्वच्छता, समयबद्धता, यात्री सुविधा, दिव्यांगजनों की पहुंच, स्वास्थ्य सुरक्षा और जवाबदेह प्रशासन के आधार पर भी होता है। भारत के लिए यह विषय और भी महत्वपूर्ण है,क्योंकि रेलवे करोड़ों सामान्य एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की जीवनरेखा है। यदि एक यात्री को स्टेशन पर सुरक्षित पानी, साफ शौचालय और बैठने की जगह नहीं मिलती, तो उसके लिए अत्याधुनिक ट्रेन का आकर्षण अधूरा रह जाता है।मेरे विचार से इस पूरे घटनाक्रम से केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय के सामने तीन बड़ी प्राथमिकताएं उभरती हैं।पहली,प्रत्येक स्टेशन के लिए सुविधाओं की वास्तविक स्थिति दर्शाने वाला सार्वजनिक डिजिटल डैशबोर्ड बनाया जाए, जिसमें पानी की जांच,शौचालयों की कार्यशीलता, सफाई और चिकित्सा सहायता की जानकारी उपलब्ध हो। दूसरी, यात्री सुविधाओं के लिए आवंटित बजट के उपयोग की नियमित समीक्षा हो तथा लंबित परियोजनाओं के लिए जिम्मेदारी निर्धारित की जाए। तीसरी, रेलवे के प्रत्येक जोन में स्वतंत्र निरीक्षण और यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर सुधार की प्रभावी व्यवस्था

गढ़ गंगा मेले में पहली बार सजेगी स्वदेशी अश्व प्रदर्शनी, आज से शुरू होगा घोड़ों का पंजीकरण

20 नवंबर तक करा सकेंगे पंजीकरण, छह श्रेणियों में शामिल होंगे स्वदेशी घोड़े और नुकरा नस्ल के अश्व; स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र अनिवार्य

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले प्रसिद्ध गढ़ गंगा मेले में इस वर्ष पहली बार स्वदेशी अश्व प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। मेले की सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान को और समृद्ध बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रदर्शनी में देशी नस्ल के घोड़ों को अपनी विशेषता और आकर्षण प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रदर्शनी में भाग लेने के इच्छुक अश्वपालकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया मंगलवार, 17 नवंबर से शुरू होगी। इसके लिए पशु बाजार सेक्टर क्षेत्र, गढ़मुक्तेश्वर को पंजीकरण केंद्र बनाया गया है। प्रशासन और पशुपालन विभाग की ओर से प्रदर्शनी की तैयारियां की जा रही हैं। अश्व प्रदर्शनी को मेले का विशेष आकर्षण बनाने के लिए अलग-अलग श्रेणियों में घोड़ों का पंजीकरण किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से स्वदेशी अश्व नस्लों की विशेषताओं को सामने लाने के साथ ही अश्वपालन से जुड़े लोगों को भी अपनी नस्ल और पशुओं की गुणवत्ता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। गढ़ गंगा मेला धार्मिक आस्था के साथ-साथ ग्रामीण संस्कृति, पशुपालन और पारंपरिक गतिविधियों के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में पहली बार आयोजित होने वाली यह प्रदर्शनी मेले में एक नया आकर्षण जोड़ने जा रही है।

अश्व प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले घोड़ों का पंजीकरण 17 नवंबर को सुबह 11:30 बजे से शुरू होगा। यह प्रक्रिया 20 नवंबर को सुबह 10 बजे तक चलेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17, 18 और 19 नवंबर को सुबह 11:30 बजे से शाम पांच बजे तक पंजीकरण कराया जा सकेगा। वहीं अंतिम दिन 20 नवंबर को सुबह 10 बजे तक ही पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अश्वपालकों को निर्धारित समय के भीतर पशु बाजार सेक्टर क्षेत्र में पहुंचकर अपने घोड़ों का पंजीकरण कराना होगा। प्रदर्शनी में कुल छह श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें स्वदेशी नर घोड़ों की वयस्क और मिल्क टीथ श्रेणी, स्वदेशी मादा घोड़ियों की वयस्क और मिल्क टीथ श्रेणी तथा नुकरा नस्ल के वयस्क नर और मादा घोड़े शामिल हैं। इन श्रेणियों के माध्यम से अलग-अलग आयु वर्ग और नस्ल के अश्वों को प्रदर्शनी में शामिल किया जाएगा। इससे स्वदेशी नस्लों की विविधता और उनकी विशेषताओं को एक ही स्थान पर देखने का अवसर मिलेगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ओपी मिश्रा ने बताया कि प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी घोड़ों का स्वस्थ होना अनिवार्य है। इसके लिए अश्वपालकों को अपने क्षेत्र के पशु चिकित्साधिकारी से संपर्क कर संबंधित घोड़े का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र बनवाना होगा। प्रमाण-पत्र में एंटी रेबीज और टेटनस वैक्सीन लगाए जाने की तिथि के साथ-साथ डिवॉर्मिंग यानी पेट के कीड़ों की रोकथाम के लिए दी गई दवा का विवरण भी दर्ज होना चाहिए। स्वास्थ्य संबंधी निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले घोड़ों को ही प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। डॉ. मिश्रा ने अश्वपालकों से अपील की है कि वे पंजीकरण से पहले अपने घोड़ों की स्वास्थ्य जांच और आवश्यक टीकाकरण की प्रक्रिया पूरी कर लें, जिससे अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रदर्शनी से संबंधित जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन के लिए जनपदीय नोडल अधिकारी डॉ. ओमवीर सिंह, डॉ. विशाल चौधरी और डॉ. विनीत शर्मा से संपर्क किया जा सकता है।

स्वदेशी नस्लों और अश्वपालन को मिलेगा प्रोत्साहन

गढ़ गंगा मेले में पहली बार आयोजित होने जा रही यह प्रदर्शनी स्वदेशी अश्व नस्लों के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। देश में घोड़ों की विभिन्न नस्लों की अपनी अलग पहचान, शारीरिक बनावट और उपयोगिता है। ऐसे आयोजनों से अश्वपालकों को अपनी नस्लों की विशेषताओं को सामने रखने तथा अन्य पशुपालकों के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिलता है। साथ ही नई पीढ़ी को पारंपरिक अश्वपालन और स्वदेशी पशुधन की उपयोगिता से परिचित कराने में भी मदद मिलती है। कार्तिक पूर्णिमा मेले में लाखों श्रद्धालुओं और आगंतुकों के पहुंचने के बीच यह प्रदर्शनी पशुपालन और ग्रामीण संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों के लिए खास आकर्षण बन सकती है। अब अश्वपालकों की भागीदारी और पंजीकरण के बाद यह देखने को मिलेगा कि विभिन्न श्रेणियों में कितने घोड़े प्रदर्शनी का हिस्सा बनते हैं। इस आयोजन को लेकर स्थानीय पशुपालकों और अश्व प्रेमियों में भी उत्साह देखा जा रहा है। प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को स्वदेशी घोड़ों की नस्ल, उनकी शारीरिक बनावट, विशेष गुणों और देखभाल के तरीकों को नजदीक से जानने का अवसर मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अश्वपालन लंबे समय से परंपरा और आजीविका का हिस्सा रहा है। ऐसे आयोजनों से इस परंपरा को नई पहचान मिलने के साथ युवा पीढ़ी भी इससे जुड़ने के लिए प्रेरित हो सकती है। गढ़ गंगा मेले में पशु बाजार और अश्व प्रदर्शनी जैसी गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा स्थानीय व्यापार को भी गति देने में सहायक हो सकती हैं। अश्वपालकों, पशु चिकित्सा विशेषज्ञों और पशुपालन से जुड़े लोगों के बीच संवाद बढ़ने से पशुओं के बेहतर रखरखाव, स्वास्थ्य सुरक्षा और नस्लों के संरक्षण को लेकर उपयोगी जानकारियों का आदान-प्रदान होगा। आयोजकों का प्रयास है कि प्रदर्शनी में अधिक से अधिक अश्वपालक भाग लें और स्वदेशी नस्लों की विशेषताओं को व्यापक पहचान मिले।

कुंडा में कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा पूरा क्षेत्र

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। कुंडा में बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की प्रस्तावित श्रीराम कथा से पूर्व सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में उमड़ा श्रद्धा और आस्था का जनसैलाब देखते ही बन रहा था। जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष, भक्ति गीतों और धार्मिक जयकारों से पूरा क्षेत्र राममय हो गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के आयोजकत्व में हो रही इस धार्मिक कथा को लेकर क्षेत्र में पहले से ही उत्साह का माहौल बना हुआ था। कथा आयोजन से पहले यूजीसी और अन्य सामाजिक मुद्दों को लेकर सामने आए राजनीतिक बयानों के चलते चचाओं का दौर भी तेज था। लेकिन सोमवार को निकली कलश यात्रा में राजनीति और बयानबाजी से अलग श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और धार्मिक उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल हुईं। उनके साथ पुरुषों, युवाओं और बुजुर्गों की भी भारी भागीदारी रही। सजे-धजे वाहनों का लंबा काफिला, धार्मिक ध्वज-पताकाएं और भक्ति संगीत से सराबोर वातावरण यात्रा की भव्यता को और बढ़ा रहे थे। जगह-जगह श्रद्धालुओं की मौजूदगी और धार्मिक उत्साह ने पूरे आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के चेहरों पर उत्साह और मन में प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट श्रद्धा साफ दिखाई दे रही थी। जय श्रीराम के नारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा। महिलाओं की कलश यात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा कुंडा क्षेत्र रामभक्ति की धारा में सराबोर हो गया हो।

इस आयोजन ने एक बार फिर भारतीय सनातन परंपरा की सामूहिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक एकजुटता की झलक प्रस्तुत की। धार्मिक आयोजनों की विशेषता यही है कि इनमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ शामिल होकर अपनी आस्था और परंपराओं से जुड़ते हैं। कुंडा की इस कलश यात्रा में भी यही दृश्य दिखाई दिया। रामकथा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। कलश यात्रा के भव्य आयोजन ने आगामी कथा के प्रति लोगों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। आस्था के इस महासंगम ने कुंडा की धरती को भक्तिमय बना दिया और पूरे क्षेत्र में श्रीराम नाम की गूंज सुनाई देती रही। कलश यात्रा के सफल आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान की है। आयोजन से जुड़े लोगों ने श्रद्धालुओं के उत्साह और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, सेवा और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। श्रीराम कथा के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, मर्यादा, आदर्शों और पारिवारिक मूल्यों से परिचित कराने का अवसर मिलता है। श्रद्धालुओं में कथा के आगामी प्रसंगों को लेकर भी विशेष उत्सुकता दिखाई दे रही है। पूरे क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पत्नी गिरफ्तार, मानिकपुर पुलिस ने की कार्रवाई

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना क्षेत्र में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने वांछित महिला मालती देवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, बीते 13/14 अक्टूबर 2026 की रात थाना मानिकपुर क्षेत्र के छातहार यादव पट्टी गांव निवासी अमरेश कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। मृतक के भाई ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि मृतक का अपनी पत्नी से विवाद रहता था। इसके अलावा वह कर्ज को लेकर भी परेशान था। पुलिस के मुताबिक, मृतक के मोबाइल फोन में एक वीडियो मिला था, जिसमें उसने अपनी पत्नी मालती देवी और एक अज्ञात व्यक्ति से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात कही थी। इस मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मानिकपुर में मुकदमा अपराध संख्या 258/2026 धारा 108 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में वांछित चल रही मालती देवी पत्नी अमरेश कुमार (उम्र करीब 33 वर्ष), निवासी छातहार यादव पट्टी, थाना मानिकपुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय एवं क्षेत्राधिकारी कुंडा शिव नारायन वैस के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर पंकज कुमार राय के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अमित कुमार सिंह, कांस्टेबल आर्यन कुमार एवं महिला कांस्टेबल प्रीति शामिल रहीं।

न्यायपंचायत रानीनांगल की शिक्षक संकुल बैठक में शैक्षिक गतिविधियों पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता



टांडा। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सोमवार को ब्लॉक भगतपुर टांडा की सभी न्यायपंचायतों में विभागीय एजेंडे के अनुसार मासिक शिक्षक संकुल बैठकों का आयोजन किया गया। न्यायपंचायत रानीनांगल की बैठक उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसवाँ हरचंद में हुई। बैठक में बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाने और उन्हें निपुण बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान, लखनऊ की ओर से तैयार 13 प्रार्थनाओं पर चर्चा की गई। शिक्षकों से प्रार्थना सभा में इनका नियमित और क्रमवार गायन कराने को कहा गया। इसके अलावा क्रियाशील बालवाटिका, प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग और डिजिटल शिक्षण से जुड़ी नवाचारपूर्ण गतिविधियों के अनुभव भी साझा किए गए। बैठक में वार्षिक कैलेंडर के अनुसार पाठ्यक्रम पूरा करने, अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी और होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड अपडेट करने पर चर्चा हुई। साथ ही निपुण लक्ष्य ऐप, निपुण तालिका, यूडायस प्रोफाइल अपडेट और प्रेरणा पोर्टल पर खेलकूद संबंधी जानकारी समय से अपलोड करने पर चर्चा हुई। एआरपी विनय कुमार, न्यायपंचायत प्रभारी मोहम्मद आकिल चौधरी, शिक्षक संकुल सुभाष सागर और राजेन्द्र कुमार ने शिक्षकों को चालू सत्र में निपुण लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अंत में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से शिक्षकों की समझ और जानकारी परखी गई। बैठक में वरिष्ठ शिक्षक करनपाल सिंह, शिक्षा मित्र संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अशरफ अली पाशा, मोहम्मद लईक सैफी, शाज़िया अहसन, विजयलक्ष्मी चाहर, अर्चना भटनागर, विश्वेश्वरी, शालिनी रस्तोगी, कहकशां, परवीन बेगम, राजकुमार सिंह, सतपाल सिंह, श्वेता रानी, राकेश वर्मा, सपना गोस्वामी, ऋतु रस्तोगी, राजिका, प्रेम सिंह, कावेरी भटनागर, शबनम बेगम और मीनाक्षी सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

बिजनौर में एआईएनपीएसईएफ का संगठनात्मक विस्तार, विशेष चौहान बने जिलाध्यक्ष और मोहित भारद्वाज को मिली जिला महासचिव की जिम्मेदारी

पुरानी पेंशन बहाली के आंदोलन को मजबूती देने की तैयारी, 15 दिन में गठित करनी होगी कम से कम 21 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



बिजनौर। पुरानी पेंशन बहाली के राष्ट्रीय आंदोलन को मजबूती प्रदान करने तथा जनपद में शिक्षक-कर्मचारियों के हितों की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन (एआईएनपीएसईएफ), उत्तर प्रदेश ने बिजनौर में संगठनात्मक विस्तार किया है। संगठन की ओर से नई जिम्मेदारियां सौंपते हुए विशेष चौहान को जिलाध्यक्ष तथा मोहित भारद्वाज को जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों को जनपद में संगठन को मजबूत करने और पुरानी पेंशन बहाली की मांग को व्यापक स्तर पर उठाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष अंकुर त्रिपाठी 'विमुक्त' एवं प्रदेश महासचिव नीरज पटेल द्वारा जारी नियुक्ति आदेश के माध्यम से दोनों पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने उनसे अपेक्षा जताई है कि वे शिक्षक एवं कर्मचारी वर्ग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए संगठन की गतिविधियों को गति देंगे और अधिक से अधिक कर्मचारियों को आंदोलन से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

नियुक्ति आदेश के अनुसार, दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को आगामी 15 दिनों के भीतर न्यूनतम 21 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी का गठन करना होगा। इसके माध्यम से जनपद के विभिन्न विभागों में कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों को संगठनात्मक जिम्मेदारियां देकर एक मजबूत जिला इकाई तैयार की जाएगी। संगठन का मानना है कि मजबूत जिला कार्यकारिणी के गठन से कर्मचारियों की समस्याओं को एक मंच पर उठाने और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करने में मदद मिलेगी। फेडरेशन की ओर से विश्वास व्यक्त किया गया है कि विशेष चौहान और मोहित भारद्वाज अपनी सक्रियता, नेतृत्व क्षमता और संगठन के प्रति समर्पण के साथ शिक्षक-कर्मचारियों की आवाज बुलंद करेंगे। साथ ही पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर चल रहे राष्ट्रीय आंदोलन को जनपद स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर संगठन की ओर से कहा गया कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के भविष्य की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इसे लेकर लंबे समय से कर्मचारी संगठन अपनी मांग उठाते रहे हैं। ऐसे में संगठनात्मक मजबूती, आपसी एकजुटता और व्यापक भागीदारी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है। वहीं, नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विशेष चौहान और जिला महासचिव मोहित भारद्वाज ने प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो विश्वास जताकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। दोनों पदाधिकारियों ने शिक्षक-कर्मचारियों को संगठन से जोड़ने, जिला कार्यकारिणी का गठन निर्धारित समय में पूरा करने तथा पुरानी पेंशन बहाली सहित कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का संकल्प व्यक्त किया।

सशक्तिकरण अभियान के तहत डॉ. वीरेंद्र सिंह राजपूत ने किया जनसंपर्क

नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ कमेटियों एवं पन्ना प्रमुखों के सत्यापन पर दिया जोर

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



नूरपुर। नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में जनसंपर्क एवं संगठनात्मक बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत डॉ. वीरेंद्र सिंह राजपूत, संभावित प्रत्याशी भाजपा, नूरपुर विधानसभा-24 ने ग्राम अमीनाबाद, बगवाड़ा, मुजाहिदपुर, भवानीपुर रानी एवं फतेहाबाद का दौरा किया। इस दौरान ग्राम अमीनाबाद बूथ संख्या 63 से बूथ अध्यक्ष अमित सैनी एवं बूथ संख्या 64 से बूथ अध्यक्ष गौरव कुमार, ग्राम बगवाड़ा बूथ संख्या 58 से बूथ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह एवं बूथ संख्या 59 से बूथ अध्यक्ष नीरज चौधरी, ग्राम मुजाहिदपुर बूथ संख्या 65 से बूथ अध्यक्ष हरिओम सिंह, ग्राम भगवानपुर रैनी बूथ संख्या 66 से बूथ अध्यक्ष शेषपाल सिंह बूथ संख्या67 से बूथ अध्यक्ष तेजपाल सिंह तथा ग्राम फतेहाबाद बूथ संख्या 350 से बूथ अध्यक्ष रजनीश चौहान से मुलाकात की। इस मौके पर बूथ कमेटियों एवं पन्ना प्रमुखों के गठन और सत्यापन की जानकारी ली गई। साथ ही नए वोट बनवाने के लिए ग्रामीणों एवं कार्यकताओं को जागरूक किया गया, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। डॉ. वीरेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर पर कार्य करने वाले समर्पित कार्यकर्ता हैं। बूथ मजबूत होगा तो संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय, सक्रियता और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस दौरान गांवों के गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों से भी आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और जनसंपर्क किया। बूथ की मजबूती, संगठन की शक्ति और कार्यकताओं का सम्मान ही हमारी प्राथमिकता है।

फीना में आभा फाउंडेशन का 12वां निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर संपन्न, 1260 लोगों ने कराई आंखों की हुई जांच

180 लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन होंगे, 620 चश्मे और 800 लोगों को वितरित की गईं दवाइयां

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



चांदपुर। आभा फाउंडेशन द्वारा आज फीना स्थित श्री हरिपाल शास्त्री स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 12वें निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई और निःशुल्क चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर में लगभग 1260 लोगों की आंखों की जांच की गई। जांच के दौरान 180 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इसके अतिरिक्त 620 लोगों को निःशुल्क चश्मे तथा 800 लोगों को आंखों से संबंधित दवाइयों का वितरण किया गया। फीना में आभा फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह पहला निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर था। शिविर में पहुंचे लोगों ने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद लाभकारी हैं। लोगों ने शिविर की व्यवस्थाओं और निःशुल्क चिकित्सा सुविधाओं की भी प्रशंसा की। इस मौके पर आभा सिंह ने कहा कि आभा फाउंडेशन का उद्देश्य केवल चांदपुर तक सीमित रहकर समाजसेवा करना नहीं है, बल्कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से अब फाउंडेशन द्वारा फीना, बास्टा, छाछरी मोड़, खानपुर, ब्लॉक जलीलपुर सहित विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इन शिविरों का लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि समाजसेवा के इसी संकल्प के साथ फाउंडेशन की आगामी योजना सर्दियों में जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को निःशुल्क रजाइयों का वितरण करना है। ठंड के मौसम को देखते हुए जल्द ही रजाई वितरण अभियान भी शुरू किया जाएगा, जिससे जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल सके। आभा सिंह ने कहा कि आभा फाउंडेशन का संकल्प है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भी सेवा और सहायता पहुंचे। संस्था आगे भी स्वास्थ्य, शिक्षा और जरूरतमंदों की सहायता के क्षेत्र में लगातार कार्य करती रहेगी। शिविर के सफल आयोजन पर क्षेत्र के लोगों ने आभा फाउंडेशन एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नगला तराई में 2.54 करोड़ रूपये की लागत से बना भव्य मां पूर्णागिरि मंदिर, मुख्यमंत्री धामी ने की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

उत्तराखंड की आध्यात्मिक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान का आधार: धामी









वेलकम इंडिया/ओ पी उनियाल

खटीमा। उत्तराखंड की धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित एवं समृद्ध बनाने की दिशा में खटीमा के नगला तराई में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नगला तराई स्थित नवनिर्मित मां पूर्णागिरि मंदिर में आयोजित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां पूर्णागिरि की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। करीब दो करोड़ 54 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस भव्य मंदिर में मुख्यमंत्री ने मां पूर्णागिरि की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। इसके साथ ही मंदिर परिसर में नवनिर्मित धर्मशाला और हाईटेक शौचालय का भी लोकार्पण किया। इन सुविधाओं के शुरू होने से मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं मिल सकेंगी। विशेष रूप से दूर-दराज के क्षेत्रों से दर्शन के लिए पहुंचने वाले भक्तों को ठहरने, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। मंदिर परिसर का विकास धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मंदिर परिसर पहुंचने पर स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं और मंदिर समिति से जुड़े लोगों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने लोगों से बातचीत कर धार्मिक आयोजन के प्रति उनकी आस्था और उत्साह को भी देखा। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं ने मां पूर्णागिरि के जयकारों के साथ अपनी श्रद्धा व्यक्त की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार हैं। यहां के मंदिर और आस्था के केंद्र केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं हैं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता के प्रतीक भी हैं। इन धार्मिक स्थलों से लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मंदिरों, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर संकल्पित है। सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें दर्शन और पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। धार्मिक स्थलों पर सड़क, आवास, स्वच्छता और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास भी प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान देश-दुनिया में देवभूमि के रूप में है। यहां के धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति प्रदान करने के साथ ही प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करते हैं।

मोटर वाहन अधिनियम के चालानों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन 28 नवम्बर को



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। माननीय उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा के तत्वावधान में जनपद न्यायाधीश श्री विकास कुमार की अध्यक्षता में दिनांक 28 नवम्बर शनिवार को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालानों से संबंधित लंबित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय, मथुरा में किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अनीता सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त विशेष लोक अदालत प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगी। इसमें मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत लंबित चालानों का निस्तारण नियमानुसार किया जाएगा। उन्होंने जनपद के समस्त संबंधित वाहन स्वामियों एवं चालानकताओं से अपील की है कि वे अपने लंबित चालानों का निस्तारण कराने हेतु निर्धारित तिथि एवं समय पर जनपद न्यायालय, मथुरा में उपस्थित होकर विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं।

रिफाइनरी नगर में धूमधाम से मनाया लोक आस्था का छठ महापर्व

कान्हा की नगरी में बिखरी छठ महापर्व की अद्भुत छटा

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। कान्हा की नगरी अंतर्गत रिफाइनरी नगर में चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हो गया। महापर्व के अंतिम दिन व्रतधारियों ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर अपने 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण किया। इस दौरान पूरे नगर चौपाल परिसर में भक्तिमय और अद्भुत छटा बिखरी रही। इस चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरूआत पहले दिन 'नहाय-खाए' के साथ हुई थी। इसके बाद दूसरे दिन रिफाइनरी नगर के कम्युनिटी सेंटर में हजारों की संख्या में पहुंचे भक्तों ने 'खरना' का प्रसाद ग्रहण किया। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों ने 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू कर दिया था। महापर्व के तीसरे दिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु नगर चौपाल पर एकत्र हुए, जहां व्रतियों ने पवित्र जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्यदेव को प्रथम अर्घ्य दिया। इसके बाद अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत को पूरा किया गया। इस पावन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच पारंपरिक 'ठेकुआ' प्रसाद का वितरण भी किया गया। मथुरा रिफाइनरी के प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि छठ महापर्व मुख्य रूप से भगवान सूर्यदेव और प्रकृति की आराधना का पर्व है, जिसे अत्यंत शुद्धता, निष्ठा और अनुशासन के साथ मनाया जाता है। रिफाइनरी नगर में इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में 'भारतीय सांस्कृतिक समाज ट्रस्ट' और 'मथुरा रिफाइनरी छठ पूजा समिति' ने संयुक्त रूप से अहम भूमिका निभाई। इस दौरान छठ व्रतियों द्वारा गाए गए पारंपरिक और मधुर लोकगीतों ने वहां मौजूद सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गोवर्धन में विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। श्रीनाथ जी धमार्थ सेवा सोसाइटी, फरीदाबाद के सौजन्य से कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, मथुरा द्वारा 25वॉ विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन सीताराम धर्मशाला, जापान वाली, परिक्रमा मार्ग, जतीपुरा, गोवर्धन, मथुरा में दिनांक 17 से 22 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में नेत्र रोगियों की जाँच एवं भर्ती 21 नवम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 3 बजे तक की जायेगी। निःशुल्क नेत्र जाँच चिकित्सा शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ की चिकित्सीय टीम द्वारा नेत्र रोगियों के मोतियाबिन्द, परवाल, कालापानी आदि रोगों का उपचार एवं ऑपरेशन निःशुल्क रूप से सम्पन्न किये जायेंगे। इस नेत्र चिकित्सा शिविर में मोतियाबिन्द रोगियों के लैन्स प्रत्यारोपण भी किये जायेगे। शिविर में ऑपरेशन के योग्य पाये गये नेत्र रोगियों को पलंग, बिस्तर, दवा एवं भोजन की व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क रूप से की गई हैं। भर्ती किये गये नेत्र रोगियों के ऑपरेशन कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, मथुरा पर सम्पन्न किये जायेगें।

शिविर के आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे इस निःशुल्क सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद नेत्र रोगियों को भी इसकी जानकारी दें। समय पर जांच और उचित उपचार से आंखों की रोशनी सुरक्षित रखी जा सकती है। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह शिविर राहत और उपचार का महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। **नोट-** नेत्र रोगी ऑपरेशन कराने हेतु अपने साथ मोबाइल नं एवं पहचान पत्र की फोटो कॉपी अवश्य साथ लायें।

कंस वध के साथ कृष्ण विरोधी लोगों का भी पुतला कंस की तरह कूटा जाए- महेश पाठक



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। कंस वध मेला के संदर्भ में हुई प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री माथुर चतुर्वेद परिषद एवं अखिल भारतीय चतुर्वेदी पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने कहा कि चार दिवसीय श्री कृष्ण महोत्सव (कंस वध मेला) का आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा हुआ है। जिस प्रकार श्री कृष्ण ने अत्याचारी कंस का वध किया था, उसी प्रकार यहाँ भी जो लोग भगवान श्री कृष्ण के विरोधी हैं, उनका भी इस मेले में लोगों से राय लेकर कोई न कोई समाधान किया जाएगा। 17 तारीख को गोपाष्टमी, 18 को भजन संध्या, 19 को कंस वध मेला और 20 को भाग्य दीपदान का कार्यक्रम होगा। परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक ने कहा कि इस मेले को भव्य बनाने के लिए पूरी टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है और सभी अपनी जिम्मेदारियों को निभाएंगे तथा मेले को भव्य बनाएंगे। इस अवसर पर प्रेस वार्ता में संरक्षक नवीन नागर, गिरधारी लाल पाठक, संरक्षक राकेश तिवारी एडवोकेट, उपाध्यक्ष योगेंद्र चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी, आशीष चतुर्वेदी सी ए, श्रीकांत चतुर्वेदी दुबई, मुंबई शाखा के उपाध्यक्ष दिलीप चतुर्वेदी शशिकांत सीपु, अमन सरदार आदि मौजूद थे। संचालन महामंत्री संजय चतुर्वेदी ऐल्पाइन ने किया। इस अवसर पर मंत्री संजय चतुर्वेदी, हरदेव चतुर्वेदी, हप्पू, श्याम चतुर्वेदी, मंत्री नीरज चतुर्वेदी, गोपाल पाठक आदि मौजूद थे।

संतकबीरनगर में सड़क सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ, जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

30 नवंबर तक चलेगा अभियान, यातायात नियमों के पालन और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आमजन को किया जाएगा जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने सड़क सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ किया। 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रचार-प्रसार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के शुभारंभ अवसर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वैन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को यातायात नियमों के पालन का संदेश देगी। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी यातायात अमित कुमार के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी यातायात परमहंस के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से अभियान की शुरूआत की। एआरटीओ कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा यातायात पुलिस के जवान भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क पर सुरक्षित आवागमन की आदत विकसित करना है। प्रचार-प्रसार वैन के माध्यम से वाहन चालकों, दोपहिया सवारों, पैदल यात्रियों और अन्य सड़क उपयोगकताओं को सुरक्षा संबंधी जरूरी जानकारी दी जाएगी। लोगों को बताया जाएगा कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों के जीवन की सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी है। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके साथ ही वाहन चलाते समय सुरक्षित दूरी बनाए रखने, गलत दिशा में वाहन न चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने के महत्व के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी है। थोड़ी सी सावधानी और नियमों का पालन करके कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। विशेष रूप से युवाओं और नए वाहन चालकों को जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाने के लिए जागरूक करना आवश्यक है। सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने आमजन से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा पखवाड़े में सक्रिय भागीदारी करें और स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा का संदेश केवल अभियान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना जरूरी है। इस अवसर पर एआरटीओ कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा यातायात पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन आज, 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावे-आपत्तियां

चार विशेष अभियान दिवसों पर बूथों पर मौजूद रहेंगे बीएलओ, 4 जनवरी 2027 को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत जनपद के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन 17 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इसके साथ ही नागरिकों को अपनी और अपने परिवार के सदस्यों की मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टियों की जांच करने तथा किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसे ठीक कराने का अवसर मिलेगा। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्य प्रकाश ने इस संबंध में जानकारी देते हुए जनपद के सभी पात्र नागरिकों से पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आलेख्य मतदाता सूची में प्रत्येक नागरिक अपने नाम, आयु, लिंग, फोटो और अन्य विवरणों की जांच कर सकता है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम और अन्य विवरणों की जांच करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इसलिए सभी लोग अपने साथ-साथ परिवार के सदस्यों की प्रविष्टियों का भी मिलान अवश्य करें।

उन्होंने बताया कि आलेख्य मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकेंगे। यदि किसी व्यक्ति के नाम को लेकर आपत्ति है अथवा किसी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटवाना है तो इसके लिए फॉर्म-7 का उपयोग किया जाएगा। वहीं नाम, पता और अन्य विवरणों में संशोधन, निवास परिवर्तन, मतदाता पहचान पत्र के प्रतिस्थापन तथा दिव्यांग मतदाता के रूप में चिह्नांकन के लिए फॉर्म-8 भरकर आवेदन किया जा सकेगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, निर्धारित अवधि में प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करते हुए अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आलेख्य मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश तथा जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइटों पर उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त सभी संबंधित मतदेय स्थलों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालयों में भी नागरिक सूची का अवलोकन कर सकेंगे। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भी मतदाता सूची की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वे अपने स्तर पर सूची का परीक्षण कर सकें।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्य प्रकाश ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर 13 नवंबर 2026 को जनपद के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया तथा अधिक से अधिक पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने में सहयोग करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि विशेष अभियान दिवसों पर सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही उनके पास पर्याप्त संख्या में आवेदन प्रपत्र उपलब्ध रहें, ताकि नागरिकों को आवेदन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। विशेष अभियान दिवसों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग निर्धारित तिथियों पर अपने बूथ तक पहुंच सकें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे 17 नवंबर को प्रकाशित होने वाली आलेख्य मतदाता सूची में अपना और अपने परिवार के सदस्यों का नाम अवश्य जांचें। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज नहीं है तो निर्धारित समय में फॉर्म-6 भरकर आवेदन करें।

चार दिन चलेगा विशेष अभियान, बूथों पर मिलेंगे बीएलओ

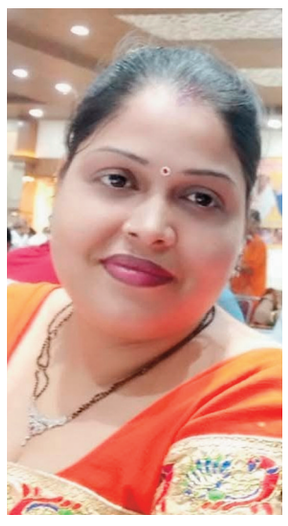
मतदाता पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए नवंबर माह में चार विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत 21 एवं 22 नवंबर तथा 28 एवं 29 नवंबर 2026 को विशेष अभियान चलाया जाएगा। इन दिनों सभी बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने मतदेय स्थलों पर उपस्थित रहेंगे और नागरिकों से नाम जोड़ने, नाम हटाने तथा विवरणों में संशोधन से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। नागरिक इन विशेष दिनों में अपने बूथ पर पहुंचकर आवश्यक प्रपत्र भर सकते हैं और मतदाता सूची से संबंधित जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

बांके बिहारी के दर्शन को इस कदर उमड़ी भीड़, रास्ते हो गए जाम

मथुरा। दिवाली के बाद से ही धर्मनगरी वृंदावन में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है। सोमवार को भी ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में अपने आराध्य के दर्शनों के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भीड़ के दबाव को देखते हुए श्रद्धालुओं को निर्धारित रेलिंग से होकर मंदिर तक पहुंचाया गया, जहां भक्तों ने ठाकुरजी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या और मंदिर परिसर में अव्यवस्था से बचने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर जगह-जगह बनाए गए होल्डिंग एरिया में तैनात पुलिसकर्मियों ने सुरक्षाकर्मियों व मंदिर के सदस्यों की मदद से भीड़ को नियंत्रित किया। व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं को जत्थों में रोक-रोककर मंदिर की ओर आगे बढ़ाया गया, जिससे दर्शन व्यवस्था सुचारू बनी रही।

तन्नू वार्ष्णेय के निधन पर जताया शोक

वेलकम इंडिया संवाददाता



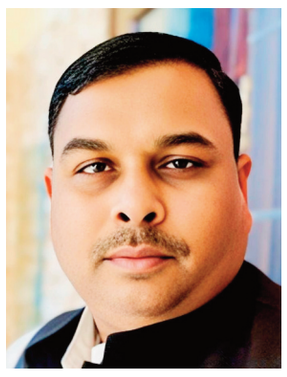
मथुरा/वृंदावन। समाजवादी पार्टी युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय की भाभी जी श्रीमती तन्नू वार्ष्णेय धर्मपत्नी राहुल वार्ष्णेय के आकस्मिक निधन पर व्यापारी नेताओं एवं समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं में शोक व्यक्त कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी है इस दौरान रोहिणी रमण वार्ष्णेय, नबल किशोर, राधेश्याम वार्ष्णेय, चन्द्रभान वार्ष्णेय, मेघश्याम वार्ष्णेय, जितेन्द्र वार्ष्णेय, दिलीप वार्ष्णेय, भारत भूषण शर्मा, राघवेंद्र प्रताप सिंह, अशोक कुमार, अमित गुप्ता, हिमांशु वार्ष्णेय, विवेक वार्ष्णेय, आलोक बंसल, बोबी अग्रवाल, योगेश द्विवेदी, सुजीत वर्मा, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शोक व्यक्त करने पहुंचे लोगों ने कहा कि तन्नू वार्ष्णेय का असामयिक निधन परिवार और शुभचिंतकों के लिए अपूरणीय क्षति है। इस दुखद घड़ी में सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उपस्थित लोगों ने राहुल वार्ष्णेय और उनके परिवार को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की। उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ क्षति ऐसी होती हैं, जिनकी भरपाई संभव नहीं होती। सभी ने परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे उनके साथ खड़े हैं और हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे।

मिशन-2027: बरखेड़ा से धनपति वर्मा एडवोकेट को सपा का टिकट मिला तो मजबूत हो सकती है पार्टी की दावेदारी

गांव-गांव जनसंपर्क और संगठनात्मक सक्रियता के दम पर मजबूत दावेदारी की तैयारी

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पीलीभीत की 128 बरखेड़ा विधानसभा सीट पर भी सियासी गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी सहित विभिन्न दलों में संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा का नाम भी संभावित दावेदारों के बीच चर्चा का विषय बन सकता है। यदि सपा नेतृत्व उन्हें बरखेड़ा विधानसभा से चुनाव लड़ने का अवसर देता है तो क्षेत्र की चुनावी राजनीति में नया समीकरण देखने को मिल सकता है।धनपति वर्मा लंबे समय से बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क के जरिए अपनी सक्रियता बनाए हुए हैं। क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद करना, उनकी समस्याएं सुनना और पार्टी की नीतियों से लोगों को अवगत कराना उनकी राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा रहा है। वह गांव-गांव जाकर किसानों, नौजवानों, मजदूरों, महिलाओं और गरीब वर्ग की समस्याओं को उठाने के साथ ही पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर देते रहे हैं।शिक्षक दिवस के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों को सम्मानित करने की पहल हो या ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनना, धनपति वर्मा ने सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में अपनी भागीदारी दिखाई है। उनका जोर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने तथा पार्टी के जनाधार को विस्तार देने पर रहा है।यदि समाजवादी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व धनपति वर्मा एडवोकेट पर भरोसा जताकर उन्हें बरखेड़ा से प्रत्याशी बनाता है तो उन्हें अपने जनसंपर्क, संगठनात्मक अनुभव और कार्यकर्ताओं के सहयोग को चुनावी ताकत में बदलने का अवसर मिलेगा। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और ग्रामीणों के बीच संवाद चुनावी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।बरखेड़ा विधानसभा में वर्ष 2027 का चुनाव कई राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। ऐसे में धनपति वर्मा को टिकट मिलने की स्थिति में सपा किस रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरती है, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल पार्टी नेतृत्व के निर्णय को लेकर चर्चाएं जारी हैं और संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता ने बरखेड़ा की राजनीति को अभी से गर्मा दिया है।



अमर शहीद सूबेदार योगेंद्र सिंह की प्रतिमा का हुआ अनावरण, गांव छपना में उमड़ा सम्मान का सैलाब



वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा/बुलंदशहर। तहसील खुर्जा क्षेत्र के ग्राम छपना में सोमवार, 16 नवंबर 2026 को अमर शहीद स्वर्गीय सूबेदार योगेंद्र सिंह की प्रतिमा स्थापना एवं अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अतिथि ने शहीद सूबेदार योगेंद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस गरिमामयी अवसर पर खुर्जा की विधायक श्रीमती मीनाक्षी सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती मोनिका सिंह सहित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अमर शहीद सूबेदार योगेंद्र सिंह के प्रति अपना प्रेम, सम्मान और श्रद्धा प्रकट की। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर सभी सम्मानित लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीदों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। उनका बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।अंत में उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का धन्यवाद करते हुए जय हिंद के उद्घोष के साथ शहीद को नमन किया।

नहर पुल पर छठ पूजा की रौनक, श्रद्धा के साथ निभाई गई परंपरा

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एकत्र होकर डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ ग्राम दण्डोल में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नहर पुल पर आयोजित पूजा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार छठी मैया तथा भगवान सूर्यदेव की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और संतान की लंबी आयु की कामना की।पर्व को लेकर सुबह से ही घरों में तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने पूजा के लिए विभिन्न प्रकार के फल, फूल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ और अन्य पूजन सामग्री तैयार की। शाम के समय श्रद्धालु सूप और दउरा में पूजन सामग्री सजाकर नहर पुल पर पहुंचे। जैसे-जैसे सूर्यास्त का समय नजदीक आया, वैसे-वैसे घाट पर व्रतियों और उनके परिवारों की भीड़ बढ़ती गई। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए व्रती जल में खड़े हुए और पूरे विधि-विधान के साथ भगवान भास्कर की आराधना की। इस दौरान छठी मैया के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर अपने परिवार की उन्नति, सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने पूजा में सहभागिता की।

लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। मान्यता के अनुसार छठ पर्व में भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना का विशेष महत्व है। यह पर्व आस्था के साथ-साथ स्वच्छता, संयम, प्रकृति के प्रति सम्मान और पारिवारिक एकता का संदेश भी देता है। पूजा कार्यक्रम में सूबेदार शिवानंद यादव, रजनीकांत यादव, रामनिवास, सच्चिदानंद, ओमप्रकाश यादव, सिंधु देवी, ज्योति, उर्मिला, सुनीता सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ पूजा-अर्चना कर महापर्व में भाग लिया।

नारी शक्ति क्लब ने बच्चों संग मनाया बाल दिवस, खेल प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

कुर्सी दौड़ समेत कई मनोरंजक प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन, विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। बाल दिवस के अवसर पर नारी शक्ति क्लब की ओर से नगर के जूनियर हाईस्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के कक्षा एक से आठ तक के बच्चों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने के साथ उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और बाल दिवस को यादगार बनाना रहा।कार्यक्रम की शुरूआत होते ही विद्यालय परिसर बच्चों की हंसी, तालियों और उत्साह से गूंज उठा। बच्चों के लिए कुर्सी दौड़, अप-डाउन और काउंट फाइव सहित कई मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी फुर्ती, एकाग्रता और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। कुर्सी दौड़ के दौरान संगीत रुकते ही कुर्सी पाने के लिए बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। वहीं अन्य खेलों में भी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इस अवसर पर नारी शक्ति क्लब की पूर्व अध्यक्ष मिंटी मंडेर, अध्यक्ष प्रभा गुप्ता और उपाध्यक्ष डॉ. नीता सुशील अग्रवाल सहित क्लब की अन्य सदस्य मौजूद रहीं। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।कक्षा एक में आरोही ने प्रथम और श्रुति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा दो में निहाल प्रथम और नेहा द्वितीय, कक्षा तीन में नैना राणा प्रथम और नैना द्वितीय, कक्षा चार में गौरी प्रथम और आरव द्वितीय रहे। कक्षा पांच में समर प्रथम और रश्मि द्वितीय, कक्षा छह में खुशबू प्रथम और लक्ष्मी द्वितीय, कक्षा सात में गुनगुन प्रथम और राधिका द्वितीय तथा कक्षा आठ में आरुषि प्रथम और गुनगुन द्वितीय स्थान पर रहीं।विद्यालय की प्रधानाचार्य सरिता भारती के साथ शिक्षिकाएं सुमन लता, रश्मि शर्मा, दीपाली सक्सेना एवं अन्य अध्यापकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने नारी शक्ति क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के समापन पर पूर्व अध्यक्ष मिंटी मंडेर ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं और उन्हें चाचा नेहरू के आदर्शों पर चलने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा खेलकूद में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आयोजन ने बच्चों को पढ़ाई के साथ मनोरंजन और अपनी प्रतिभा दिखाने का सुंदर अवसर प्रदान किया।

ब्राह्मण महापरिषद के चुनाव का बिगुल बजा, 22 नवंबर को होगा मतदान

अधिवक्ता राजेश शर्मा को सौंपी गई मुख्य चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। अखिल भारतीय ब्राह्मण महापरिषद की जिला एवं नगर कार्यकारिणी के गठन को लेकर चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गई है। संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता ई. राजेश शर्मा को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।जिलाध्यक्ष नीलेश चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार यह नियुक्ति की है। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश शर्मा ने जिला और नगर कार्यकारिणी के कुल सात पदों के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी किया है। इनमें जिला उपाध्यक्ष, जिला महामंत्री, जिला सचिव, जिला कोषाध्यक्ष के साथ नगर अध्यक्ष, नगर उपाध्यक्ष और नगर मंत्री के पद शामिल हैं। घोषित कार्यक्रम के अनुसार इच्छुक प्रत्याशी 19 नवंबर 2026 को शाम चार बजे तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। इसी दिन शाम चार बजे के बाद नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद 20 नवंबर को निर्विरोध निर्वाचित होने वाले प्रत्याशियों की घोषणा के साथ चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। यदि किसी पद पर एक से अधिक प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहते हैं तो 22 नवंबर 2026 को मतदान कराया जाएगा। मतदान की प्रक्रिया दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक चलेगी। इसके बाद शाम पांच बजे मतगणना कराई जाएगी और चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।मुख्य चुनाव अधिकारी अधिवक्ता राजेश शर्मा ने बताया कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया संगठन के संविधान में निर्धारित नियमों और प्रावधानों के अनुसार संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव में निष्पक्षता और पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही संगठन की जिला एवं नगर कार्यकारिणी में नए पदाधिकारियों के चयन को लेकर गतिविधियां तेज होने की संभावना है। अब सभी की निगाहें नामांकन और चुनाव परिणाम पर टिकी हैं।

गंगा पर पैंटून पुल चालू, बुलंदशहर से अमरोहा-संभल जाना हुआ आसान

रुक्मिणी कुंड के पास लोक निर्माण विभाग ने शुरू कराया पुल, हल्के चार पहिया वाहन और बाइक से निशुल्क कर सकेंगे आवागमन



वेलकम इंडिया संवाददाता

अहार/बुलंदशहर। गंगा नदी पर अहार क्षेत्र में रुक्मिणी कुंड के निकट लोक निर्माण विभाग द्वारा पैंटून पुल चालू कर दिया गया है। पुल शुरू होने से बुलंदशहर जिले के लोगों के लिए अमरोहा और संभल जनपद जाना आसान हो गया है। पुल चालू होने से क्षेत्रीय लोगों में खुशी की लहर है। प्रतिवर्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा नवंबर माह में इस पैंटून पुल को आवागमन के लिए शुरू किया जाता है। गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने पर पुल को खोलकर उसके सामान को सुरक्षित रख लिया जाता है। इस बार भी पुल चालू होने से आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। लोक निर्माण विभाग बुलंदशहर के पैंटून पुल दरोगा हरेन्द्र सिंह ने बताया कि पुल से हल्के चार पहिया वाहन, बाइक और पैदल राहगीर निशुल्क आवागमन कर सकते हैं। क्षेत्र के लोग हर साल की तरह इस बार भी पुल की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि पुल चालू होने से पहले लोगों को अमरोहा और संभल जाने के लिए अनूपशहर अथवा बुगरासी क्षेत्र के गांव रुखी भगवानपुर होकर जाना पड़ता था। इससे लोगों को अधिक दूरी तय करनी पड़ती थी और समय के साथ आर्थिक खर्च भी बढ़ जाता था। अब पैंटून पुल शुरू होने से अहार, हसनपुर वांगर, मोहम्मदपुर, मुबारकपुर और मौहरसा सहित आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी। पुल चालू होने पर क्षेत्रीय लोगों ने खुशी जताई है।



जनगणना-2027 और सड़क सुरक्षा पखवाड़े के प्रचार वाहनों को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

16 से 30 नवंबर तक स्व-गणना के जरिए ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे परिवार की जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। जनगणना-2027 के सफल संचालन और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सोमवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार ने गांधी सभागार परिसर से जनगणना-2027 एवं सड़क सुरक्षा पखवाड़े के प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को जनगणना में सहभागिता और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करेंगे।इस अवसर पर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित की जा रही है। इस दौरान जनपदवासी आधिकारिक पोर्टल रीू्ल्ल२४२.ङ्ब्रूफ्.ल्ल के माध्यम से स्वयं और अपने परिवार की आवश्यक जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे स्व-गणना की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और निर्धारित समयावधि में अपने परिवार की सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का अभियान है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।वहीं, सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत 16 से 30 नवंबर तक जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। प्रचार वाहनों के माध्यम से लोगों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और निर्धारित गति सीमा का पालन करने के प्रति जागरूक किया जाएगा।जिलाधिकारी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें और अपनी सुरक्षा के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें।कार्यक्रम के दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वीरांगना ऊदा देवी पासी के बलिदान को किया नमन, मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

विधायक बाबूराम पासवान ने शहीद दिवस कार्यक्रम में अर्पित की पुष्पांजलि, छात्राओं का बढ़ाया उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। पासी समाज उत्थान सेवा समिति, पीलीभीत के तत्वावधान में सोमवार को सिरसा रोड स्थित गैरतपुर जपती के एनजीएस पब्लिक जूनियर स्कूल में 1857 की महान क्रांतिकारी वीरांगना ऊदा देवी पासी का शहीद दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक बाबूराम पासवान ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इसके साथ ही उन्होंने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर और महात्मा बुद्ध की प्रतिमाओं पर भी पुष्प अर्पित कर नमन किया। उपस्थित लोगों ने वीरांगना ऊदा देवी के अदम्य साहस, शौर्य और देश के लिए दिए गए बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर विधायक बाबूराम पासवान ने कार्यक्रम में मौजूद मेधावी छात्राओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा समाज की उन्नति का सबसे मजबूत आधार है। बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत वीरता का परिचय दिया था। उनका संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे आयोजन समाज को अपने गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों के योगदान से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस दौरान विद्यालय प्रबंधक संतोष कुमार, कल्याण सिंह सरोज, एडवोकेट जैतराम पासवान, सिरसा प्रधान विजय पाल सिंह, प्रधान राजाराम, संतोष पासवान, राम प्रसाद सरोज, लालमन सरोज, रामचंद्र सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आठ बीघा गन्ने की खड़ी फसल आग की भेंट चढ़ी, किसान को लाखों रुपये का भारी हुआ नुकसान

वेलकम इंडिया संवाददाता



पहासू/बुलंदशहर। पहासू थाना क्षेत्र के गांव सोई में सोमवार को एक किसान की आठ बीघा गन्ने की खड़ी फसल में अचानक आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हो गया। खेत में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। किसान और ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तेजी के कारण पूरी फसल जलकर बर्बाद हो गई। घटना के बाद किसान के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार गांव सोई निवासी किसान के खेत में आठ बीघा गन्ने की फसल खड़ी थी। सोमवार को अचानक खेत से आग की लपटें उठने लगीं। शुरूआत में लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ ही देर में आग ने पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते कई बीघा क्षेत्र में खड़ी गन्ने की फसल धू-धूकर जलने लगी। खेत में आग लगने की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और किसान की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। आग की भयावह स्थिति को देखते हुए किसान ने तत्काल डायल-112 और दमकल विभाग को फोन कर घटना की सूचना दी तथा सहायता मांगी। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। अचानक हुई इस घटना ने किसान की पूरे वर्ष की मेहनत पर पानी फेर दिया। गन्ने की फसल तैयार करने में किसान ने खाद, बीज, सिंचाई और मजदूरी सहित काफी धन खर्च किया था, लेकिन आग ने कुछ ही समय में उसकी मेहनत को राख में बदल दिया। आठ बीघा गन्ने की खड़ी फसल जलने से किसान को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। फसल ही किसान की आय का प्रमुख सहारा थी। ऐसे में पूरी फसल नष्ट होने से परिवार के सामने आर्थिक परेशानियां खड़ी हो गई हैं। किसान का कहना है कि फसल को तैयार करने में काफी समय और पूंजी लगी थी। अब फसल जल जाने से उसकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी और आगामी खेती की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को हुए नुकसान का आकलन कराकर उचित आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्राकृतिक अथवा आकस्मिक कारणों से किसानों की फसल नष्ट होने पर उन्हें समय से राहत मिलना बेहद जरूरी है, ताकि वे दोबारा खेती की तैयारी कर सकें। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

संजय मौत प्रकरण: निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर थाने पहुंचे बसपा कार्यकर्ता

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा में नेत्रहीन संजय की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष सुनील जाटव, पूर्व जिलाध्यक्ष देवदास जैन सहित दर्जनों कार्यकताओं ने कांधला थाने पहुंचकर थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह से मुलाकात की। कार्यकताओं ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बीती छह नवंबर की शाम गांव भभीसा के बाहर सड़क किनारे करीब 40 वर्षीय नेत्रहीन संजय पुत्र महावीर घायल अवस्था में पड़ा मिला था। परिजनों ने उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया था। मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान 12 नवंबर को संजय की मौत हो गई थी।मृतक की मां विमला पत्नी महावीर ने गांव के ही ब्रजवीर और प्रदीप पर धारदार हथियार से हमला कर बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने हंगामा करते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। बाद में एसडीएम सदर सचिन राजपूत के आश्वासन पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए थे।बसपा जिलाध्यक्ष सुनील जाटव ने बताया कि कार्यकताओं ने थाना प्रभारी से मिलकर निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। थाना प्रभारी बच्चू सिंह ने बताया कि मामले की जांच सीओ कैराना के द्वाराकी जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

स्याना पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को दबोचा, चोरी की तीन स्प्लेंडर बाइक और चार मोबाइल हुए बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता



बुलंदशहर। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्याना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर थल तिराहे के पास घेराबंदी कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की तीन स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल तथा विभिन्न कंपनियों के चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोटरसाइकिलों पर हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के पंजीकरण नंबर अंकित हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में एक मोटरसाइकिल हरियाणा के यमुनानगर जनपद से चोरी की होना सामने आया है, जबकि अन्य दो बाइकों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरमान बंजारा पुत्र सलीम निवासी ग्राम कुम्हारहेड़ा, थाना सरसावा, जनपद सहारनपुर तथा फिरोज बंजारा पुत्र दिसौन्दी निवासी मोहल्ला शहीद भगत सिंह, बातनौर, थाना फलावदा, जनपद मेरठ के रूप में हुई है। फिरोज वर्तमान में मनसूबपुरा, बम्बे की पटरी, थाना किठौर, मेरठ में रह रहा था। दोनों आरोपियों को थल तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हरियाणा नंबर एचआर-71एन-6921, दिल्ली नंबर डीएल-9एसजेड-6880 और उत्तर प्रदेश नंबर यूपी-13डब्ल्यू-3938 की तीन स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इसके अलावा चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक इनमें से एक मोटरसाइकिल हरियाणा के यमुनानगर जनपद के थाना सढौरा क्षेत्र से चोरी की गई थी। इस संबंध में वहां मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस अब शेष दो मोटरसाइकिलों के वास्तविक मालिकों और उनके चोरी होने की घटनाओं का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी कथित तौर पर शातिर किस्म के चोर हैं, जो अलग-अलग जनपदों में मोटरसाइकिल चोरी करने और राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीनने की घटनाओं को अंजाम देते थे। चोरी किए गए वाहनों और मोबाइल फोन को कम कीमत पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस अब आरोपियों से जुड़े अन्य संभावित मामलों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चोरी की इन वारदातों में उनके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं।

युवती ने आम के पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या





वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना। खानपुर थाना क्षेत्र के अमरपुर बंबे पर एक युवती का शव आम के बाग में फांसी के फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जंगल के आसपास शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार युवती कल किसी बात पर नाराज होकर घर से निकली थी और वही युवती के पास से एक मोबाइल भी बरामद हुआ है। मोबाइल को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। जानकारी के अनुसार अमरपुर बंबे पर एक युवती का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही खानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। खानपुर थाना प्रभारी अनू प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। और पुलिस दूसरे बिंदुओं पर भी जांच कर रही है फिलहाल युवती की आत्महत्या के पीछे क्या वजह रही, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस युवती की पहचान और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। घटना के बाद से क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद से गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक एवं चिंता का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने पुलिस से मामले की निष्पक्षता से जांच कर युवती की मौत से जुड़े सभी तथ्यों का पता लगाने की मांग की है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि युवती घर से किन परिस्थितियों में निकली थी और घटना से पहले उसकी किसी से बातचीत या विवाद तो नहीं हुआ था। मोबाइल फोन की जांच भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकन अवार्ड से सम्मानित हुए पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शामली निवासी पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल को महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकन अवार्ड-2026 से सम्मानित किए जाने पर नगर के वैश्य समाज में खुशी की लहर है। दिल्ली में आयोजित समारोह में देशभर की 50 विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश से राजेश्वर बंसल शामिल रहे।इस उपलब्धि पर नगर के वैश्य समाज ने जैन स्थानक में सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। व्यापार मंडल अध्यक्ष ईश्वर दयाल कंसल ने संचालन किया।पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल ने कहा कि समाज की उन्नति के लिए प्रत्येक व्यक्ति को निस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए। इस दौरान दिगंबर और श्वेतांबर जैन समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम में पूर्व आईजी विजय गर्ग, विष्णु प्रकाश अग्रवाल, लोकेश गोयल, क्षितिज मित्तल, मेहरचंद, सचिन गोयल, रोहित गुप्ता, नरेंद्र अग्रवाल, अमित गर्ग सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में राजेश्वर बंसल के पुत्र अखिल बंसल ने सभी का आभार जताया।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी हत्यारोपी रवि गिरफ्तार, दोनों पैरों में लगी गोली



वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। सिकंदराबाद क्षेत्र में बच्ची की हत्या के मामले में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त रवि कुमार को सिकंदराबाद पुलिस और स्वाट टीम ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जबकि आरोपी की फायरिंग में एक उपनिरीक्षक भी घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का डबल बैरल तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और घटना से संबंधित अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 7 नवंबर को सिकंदराबाद क्षेत्र में बच्ची की हत्या की थी। मामले में उसकी गिरफ्तारी पर एसएसपी ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गिरफ्तार आरोपी रवि कुमार निवासी ग्राम कुंवरपुर तरौयन, थाना सौरिख, जनपद कन्नौज का रहने वाला है।

नहर में डूब रही बालिका की जान बचाने वाले नरेंद्र चौधरी सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता



बुलंदशहर। खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के गांव चिती निवासी नरेंद्र चौधरी ने नहर में डूब रही एक बालिका की जान बचाकर मानवता और साहस की मिसाल पेश की। उनके इस सराहनीय कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

जानकारी के अनुसार, 7 अक्टूबर 2026 को नरेंद्र चौधरी पुत्र महेंद्र सिंह ने एक बालिका के चिल्लाने की आवाज सुनी। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि चिती नहर में एक बालिका पेड़ की टहनी पकड़कर पानी में लटकी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए नरेंद्र चौधरी ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। ग्रामीणों की मदद और उपलब्ध संसाधनों के सहारे वह नहर में उतरे और बालिका को सकुशल बाहर निकाल लिया। इसके बाद उन्होंने डायल-112 पर घटना की सूचना दी। इस मामले में थाना खुर्जा देहात पर मुकदमा संख्या 308/2026 के तहत बीएनएस की धारा 70(2)/109(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 5जी/6 में अभियुक्त शफीक और भूरा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। नरेंद्र चौधरी के साहसिक एवं मानवीय कार्य की सराहना करते हुए एसएसपी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए आमजन से भी संकट में फंसे जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए बुलंदशहर में 'ऑपरेशन साइबर स्पेस', जिलेभर में पुलिस की सघन चेकिंग

सिम कार्ड विक्रेताओं, मोबाइल दुकानों और साइबर कैफे की हो रही जांच, डिजिटल संसाधनों के दुरुपयोग और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर

वेलकम इंडिया संवाददाता







बुलंदशहर। जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग कर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वालों पर कार्रवाई के उद्देश्य से बुलंदशहर पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के आदेश पर 13 से 17 नवंबर 2026 तक जनपद में ह्यऑपरेशन साइबर स्पेसह्ण चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमें सघन चेकिंग कर रही हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल संसाधनों की निगरानी करना, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना और अपराधियों तक पहुंचने के लिए जरूरी जानकारी जुटाना है। पुलिस अधीक्षक अपराध के नेतृत्व एवं निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान में साइबर सेल के समन्वय से विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमें सक्रिय हैं। पुलिसकर्मियों द्वारा सिम कार्ड एवं मोबाइल फोन विक्रेताओं की दुकानों के साथ-साथ साइबर कैफे की भी जांच की जा रही है। चेकिंग के दौरान यह देखा जा रहा है कि प्रतिष्ठानों पर सिम कार्ड जारी करने, ग्राहकों की पहचान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखने तथा अन्य निर्धारित नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं। इसके साथ ही साइबर कैफे में उपलब्ध कंप्यूटर और इंटरनेट संसाधनों के इस्तेमाल पर भी नजर रखी जा रही है।

अभियान के दौरान पुलिस का विशेष ध्यान उन माध्यमों पर है, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधी धोखाधड़ी, फर्जी पहचान, ऑनलाइन ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में कर सकते हैं। सिम कार्ड और मोबाइल फोन का गलत इस्तेमाल कर लोगों को ठगी का शिकार बनाने के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे में पुलिस यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि मोबाइल कनेक्शन उपलब्ध कराने वाले विक्रेता आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता को नजरअंदाज न करें।

साइबर कैफे में भी संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। पुलिस टीमों द्वारा संचालकों को ग्राहकों से संबंधित आवश्यक विवरणों के रखरखाव और निर्धारित नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर संबंधित पुलिस टीम द्वारा आवश्यक जांच और नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। बुलंदशहर पुलिस ने आम नागरिकों से भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी, पासवर्ड अथवा अन्य निजी विवरण साझा न करें। बैंक, पुलिस या किसी सरकारी विभाग का अधिकारी बनकर फोन करने वाले अज्ञात व्यक्तियों के झांसे में न आएं। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध मोबाइल ऐप डाउनलोड करने अथवा बिना जांच-पड़ताल के ऑनलाइन भुगतान करने से भी बचें। पुलिस ने सिम कार्ड एवं मोबाइल फोन विक्रेताओं और साइबर कैफे संचालकों से निर्धारित नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की है। साथ ही उन्हें निर्देशित किया गया है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या लेनदेन की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। पुलिस के अनुसार ऑपरेशन साइबर स्पेस के तहत 17 नवंबर 2026 तक जिलेभर में चेकिंग अभियान जारी रहेगा। सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बनाए रखते हुए साइबर सेल के सहयोग से संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी की जा रही है। अभियान के माध्यम से पुलिस का प्रयास है कि साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने वाले माध्यमों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाया जाए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए केवल पुलिस की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि नागरिकों और डिजिटल सेवाओं से जुड़े कारोबारियों की सतर्कता भी जरूरी है।

गौ सेवकों का सम्मान कर श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति ने बढ़ाया गौ सेवको का मान

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति (पंजी) की ओर से राधे गौशाला में गौ सेवकों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौ सेवा के कार्य में समर्पित सेवकों को फूलमाला एवं पटका पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समीति द्वारा गौ सेवको के लिए भोजन की व्यवस्था भी करी गयी। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में महेश तायल (टिम्बर वाले), भूपेन्द्र अग्रवाल (पेपर मिल वाले), मोना अग्रवाल एवं रचना गुप्ता उपस्थित रहीं। इस अवसर पर महेश तायल ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। गौशालाओं में निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले गौ सेवकों का योगदान सराहनीय है। ऐसे सेवाभावी लोगों का सम्मान करना समाज के लिए प्रेरणादायक पहल है। भूपेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि गौ माता की सेवा और संरक्षण पूरे समाज की जिम्मेदारी है। गौ सेवक अपना समय और श्रम देकर जिस समर्पण के साथ सेवा कर रहे हैं, वह सराहनीय है। समाज के लोगों को भी इस पुनीत कार्य में आगे आकर सहयोग करना चाहिए। समिति की प्रदेश चेयरमैन डॉ. वर्षा गुप्ता ने कहा कि समिति का उद्देश्य समाजसेवा के साथ-साथ सेवा भाव से जुड़े लोगों को प्रोत्साहित करना भी है। गौ सेवक निस्वार्थ भाव से गौ माता की सेवा में जुटे हैं। उनका सम्मान करना समिति के लिए गौरव की बात है। समिति भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी निभाती रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन समिति की प्रदेश चेयरमैन डॉ. वर्षा गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। इसमें समन्वय समिति की सदस्य एकता अग्रवाल, कल्पना गुप्ता, पूनम गर्ग, प्रतिभा गर्ग, शालिनी गर्ग, रीतू गोयल, प्रियंका गुप्ता एवं निधि सिंघल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले गौ सेवकों में मुख्य रूप से शौकिंद्र चौधरी, संदीप सैन, नरेंद्र कुमार सैन, सोमिल गुप्ता, अजय, सुंदर पाल, संजय, प्रदीप, कृष्णा, सागर, सुंदर, आकाश एवं अंशु सहित अन्य गौ सेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से गौ सेवा में जुटे लोगों के योगदान को सम्मानित करते हुए समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ, भोजपुर में भव्य सांस्कृतिक और विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ, भोजपुर, मोदीनगर, गाजियाबाद में बाल दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक और विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बच्चों के अधिकारों, शिक्षा के महत्व तथा बाल संरक्षण कानूनों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

बाल दिवस का शुभारंभ कॉलेज के अध्यक्ष सीए० (डॉ०) अनुज गोयल व निदेशिका डॉ० पूनम गोयल द्वारा दीप प्रज्वलन और पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

सीए० (डॉ०) अनुज गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और एक विधि संस्थान के रूप में हमारा यह नैतिक कर्तव्य है कि हम समाज के हर वर्ग को बच्चों के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करें। बाल दिवस पर कॉलेज के विधि छात्रों द्वारा नाटक, भाषण और खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

इसके अतिरिक्त कॉलेज के मूट कोर्ट अध्यक्ष सुप्रसिद्ध एडवोकेट डा० जुगेश असपाल जी ने विधिक सहायता प्रकोष्ठ के छात्रों को 'गुड टच-बैड टच' और शिक्षा के अधिकार की जानकारी दी। अंत में निदेशिका डॉ० पूनम गोयल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान कॉलेज के शिक्षक-शिक्षिकाएँ, श्रीमती प्रेमा आर्य, सुश्री ज्योति वर्मा, स्मृति वशिष्ठ शालिनी गुप्ता, पूजा, शिवांगी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम की संचालिका श्रीमती आरती अग्रपाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

पतंजलि वैलनेस सेन्टर में दो दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर का समापन



- योग, प्रणायाम व स्वस्थ जीवन शैली का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

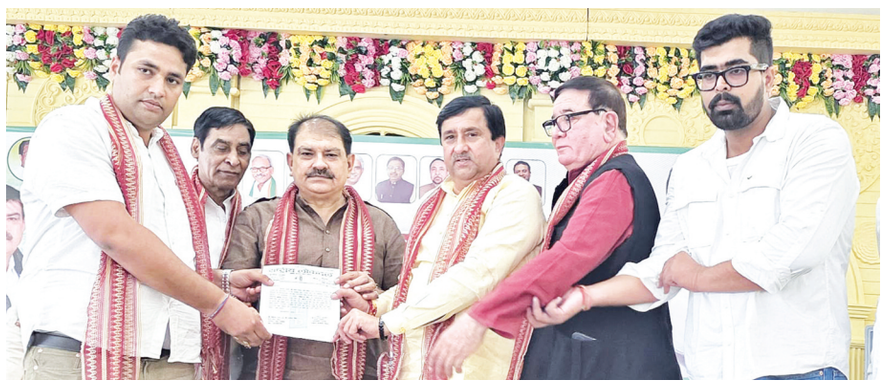
मोदीनगर। पतंजलि वैलनेस सेन्टर मोदीनगर में पूज्य स्वामी परमार्थदेव के सान्निध्य में दो दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर का समापन हुआ। योग एवं ध्यान शिविर में योग प्रेमी को स्वस्थ रहने के उपाय बताए। पहला सुख निरोगी काया, इसके लिए सुबह की हवा सबसे बड़ा टॉनिक हैं।

जो व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपने शरीर की साधना करते है वे न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते है बल्कि उनका मन भी प्रसन्न रहता है क्योकि ऐसा कहा जाता है कि सुबह की हवा लाख टके की दवा।

आज शिविर के बाद निःशुल्क एनिमा दिया गया। जिसमें पतंजलि योग समिति, भारत स्वभिमान, महिला योग समिति, युवा भारत, पंतजलि किसान सेवा समिति संगठन के पदाधिकारी योग शिक्षक, राज्य प्रभारी श्याम गुप्ता, एस.पी. सिंह, एस.पी. त्यागी, निरंजन आर्य, प्रमोद भारती , प्रेमचन्द्र सैनी, पवन शर्मा, डॉ. बबली गुज्जर , विक्क प्रधान , महावीर, सत्यप्रकाश शर्मा , बलराम सिंह , प्रदीप त्यागी , सतीश त्यागी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोकदल का मेरठ में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन, विशाल पवार को सौंपी गई महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



मेरठ। मेरठ में राष्ट्रीय लोकदल के सहकारिता प्रकोष्ठ की ओर से भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोकदल के सहकारिता प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने शिरकत की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में चेयरमैन रामकुमार , क्षेत्रीय अध्यक्ष, सहकारिता प्रकोष्ठ, हस्तिनापुर उपस्थित रहे। समारोह के दौरान चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी जी व क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकुमार चेयरमैन द्वारा विशाल पंवार जी को मनोनयन पत्र प्रदान कर महानगर अध्यक्ष, सहकारिता प्रकोष्ठ, मेरठ की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर अमरजीत सिंह बिड्डी ने विशाल पवार को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने और राष्ट्रीय लोकदल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकुमार चेयरमैन ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकताओं की एकजुटता, मेहनत और समर्पण पर निर्भर करती है। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को मिलकर संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। समारोह में उपस्थित सम्मानित जनों एवं कार्यकताओं ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर मिले स्नेह और सम्मान के लिए चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी सतवीर सिंह सिवाच ने की और संचालन विकास सिंह भैंसा व सहकारिता के जिलाध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने किया इस अवसर पर सामाजिक न्याय मंच की प्रदेश अध्यक्ष संगीता दोहरे ' सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल ब्रह्मपाल तोमर' एससी एसटी आयोग के सदस्य नरेंद्र खजूरी ' सुनील रोहटा ' मनु दांतल ' जिलाध्यक्ष अनिकेत भारद्वाज ' और जिलाध्यक्ष मतलूक गोड ' संजय रसूलपुर' सीएम डागर' संजय पनवाड़ी जी' गौरव जिटोली' बीना पूनिया ' उर्मिला चौधरी बीना सिंह ' प्रदीप उज्वल' आत्तिर रिजवी' अक्षय अतलपुर' देवव्रत आर्यजी' डीपी सिंह ' सचिन राणा' देशपाल सिंह जीवाणा' आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

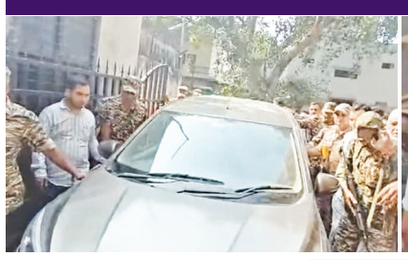
आदर्श जनता इंटर कॉलेज में नवगठित प्रबंध समिति के स्वागत में कार्यक्रम आयोजित

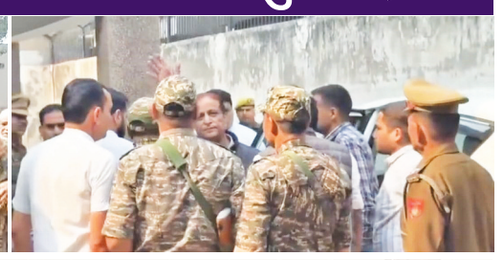


वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। आदर्श जनता इंटर कॉलेज फरीदनगर में नवगठित प्रबंध समिति के स्वागत में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल ने की। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह तोमर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियां पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व प्रबंधक स्वर्गीय सुरेश कुमार गोयल के चित्र पर प्रबंध समिति की सदस्यों द्वारा माल्यार्पण किया गया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रमोद कुमार सोम ने विद्यालय के अध्यापकों का परिचय प्रबंध समिति से कराया एवं प्रबंध समिति की ओर से प्रबंधक नितिन गोयल ने प्रबंधक समिति का परिचय विद्यार्थियों से कराया। प्रबंध समिति में विनोद कुमार अध्यक्ष,कुशाग्र बिंदल उपाध्यक्ष, नितिन गोयल प्रबंधक,सतपाल सिंह को उपप्रबंधक, हिमांशु गुप्ता कोषाध्यक्ष,अनुज शर्मा, नरेश चंद्र गुप्ता एवं शुभम गोयल सदस्य के रूप में चुने गए।कार्यक्रम का संचालन प्रेम चौधरी के द्वारा किया गया।

आजम खान की ईडी रिमांड खत्म, जमानत पर अब 26 नवंबर को होगी सुनवाई







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की चार दिन की ईडी कस्टडी समाप्त होने के बाद सोमवार को गाजियाबाद की पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने सुनवाई के बाद उन्हें 26 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आजम खान को डासना जेल भेज दिया गया। आजम खान को सोमवार सुबह भारी सुरक्षा के बीच अदालत लाया गया। वह करीब एक घंटे तक कोर्ट में रहे। इस दौरान उन्होंने हाथ हिलाकर मीडिया और समर्थकों का अभिवादन भी किया। जौहर ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने उनसे चार दिन तक पूछताछ की थी। अधिवक्ता महेश यादव ने बताया कि ईडी की कस्टडी पूरी होने के बाद आजम खान को अदालत में पेश किया गया था। कोर्ट ने उन्हें 26 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले की अगली सुनवाई भी 26 नवंबर को होगी। उन्होंने बताया कि जमानत याचिका दाखिल करने को लेकर विचार-विमर्श किया जा रहा है। फिलहाल अदालत में विस्तृत बहस नहीं हुई।

आशाराम बापू के समर्थन में सड़कों पर उतरे समर्थक, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। संत आशाराम बापू के समर्थन में सोमवार को गाजियाबाद में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और समर्थकों ने रैली निकाली। रैली के माध्यम से समर्थकों ने जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद आशाराम बापू के स्वास्थ्य और उन्हें मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं पर चिंता जताई। रैली के बाद समर्थक कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने पहुंचे कृष्ण ने बताया कि करीब 87 वर्षीय आशाराम बापू की तबीयत गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद जेल में जरूरी चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। समर्थकों ने एम्स मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट का हवाला देते हुए हृदय की धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज की बात कही। ज्ञापन में 24 घंटे परिचारक, बेहतर इलाज, पसंद के अस्पताल में चिकित्सा और न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की गई।

20 महीने से वेतन को तरसा कर्मचारी, परिवार संग जल निगम कार्यालय पर धरना

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। अमराला गांव की पानी की टंकी पर तैनात कर्मचारी पिछले 20 महीने से वेतन न मिलने के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद बकाया भुगतान नहीं होने से परेशान कर्मचारी ने अब परिवार सहित जल निगम के राजनगर स्थित कार्यालय परिसर में दिन-रात का अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। कर्मचारी का कहना है कि जब तक उसके चार लाख रुपये के बकाया वेतन का भुगतान नहीं होगा, वह धरने से नहीं उठेगा। अमराला गांव निवासी मनवीर कुमार के अनुसार, उन्हें तीन जुलाई 2024 को गांव की पानी की टंकी पर 20 हजार रुपये प्रतिमाह के वेतन पर नौकरी पर रखा गया था। उन्होंने काम करना शुरू कर दिया, लेकिन इसके बाद से उन्हें एक बार भी वेतन नहीं मिला। इस तरह 20 महीने का कुल चार लाख रुपये वेतन बकाया हो गया है। लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण परिवार के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो गया है। मनवीर अब अपनी पत्नी दीपांशी और दो मासूम बेटों विक्रमादित्य (6) और दीपमान सिंह (3) के साथ जल निगम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। परिवार दिन-रात कार्यालय परिसर में ही रहकर अपना विरोध जता रहा है। मनवीर का कहना है कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी के तहत लगातार काम किया, लेकिन मेहनताना नहीं मिला। आर्थिक परेशानी बढ़ने के बाद उनके पास धरने पर बैठने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। मनवीर ने साफ कहा है कि जब तक उनके बकाया चार लाख रुपये का भुगतान नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। वहीं, परिवार के साथ छोटे बच्चों के धरने पर बैठने से मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में जल निगम के अधिशासी अभियंता जयपाल सिंह का कहना है कि मनवीर को एक निजी कंपनी की ओर से नौकरी पर रखा गया था। बकाया वेतन के भुगतान को लेकर विभाग की ओर से संबंधित कार्यदायी संस्था से बातचीत की जा रही है।

उत्तरांचल यूनिवर्सिटी ने जीती जस्टिस केशव चंद्र धूलिया चतुर्थ वाद-विवाद प्रतियोगिता

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की टीम रही उपविजेता, आदित्य सिंह रौथान को मिला सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार

वेलकम इंडिया संवाददाता





देहरादून। उत्तरांचल यूनिवर्सिटी ने जस्टिस केशव चंद्र धूलिया चतुर्थ वाद-विवाद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। 16 नवंबर को दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर में आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के विभिन्न विधि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की सात टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में उत्तरांचल यूनिवर्सिटी की मैत्रेयी पंत और शुभा सिंह की टीम प्रथम स्थान पर रही। विजेता टीम को 30 हजार रुपये नकद पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की गई।

वहीं, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की शगुन जोशी और आदित्य सिंह रौथान की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। उपविजेता टीम को 20 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा आदित्य सिंह रौथान को उनके उत्कृष्ट वक्तृत्व कौशल के लिए सर्वश्रेष्ठ वक्ता चुना गया। उन्हें 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता का विषय 'ग्रेट लीडर्स क्रिएट ग्रेट लीडर्स' (महान नेता महान नेतृत्व तैयार करते हैं) था। कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी मुख्य अतिथि एवं प्रतियोगिता के अध्यक्ष के रूप में मौजूद रहे।

उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। अपने संबोधन में उन्होंने विधि के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए उच्च स्तरीय तर्कों और विचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नेतृत्व की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। विभिन्न देशों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण विश्व एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है।

ऐसे समय में योग्य नेतृत्व की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है। इस अवसर पर उत्तराखंड की पूर्व मुख्य सचिव एवं मुख्य सूचना आयुक्त राधा रतूड़ी भी उपस्थित रहीं। उन्होंने 23 अक्टूबर 2026 को आयोजित जस्टिस केशव चंद्र धूलिया चतुर्थ निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

इसमें एसएस जीना यूनिवर्सिटी की वंदना कांडपाल को प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये और स्वर्ण पदक, डीबीएस यूनिवर्सिटी की अनमोलप्रीत कौर को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रुपये और रजत पदक तथा उत्तरांचल यूनिवर्सिटी की निधि मलिक को तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये और कांस्य पदक दिया गया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रो. डॉ. हर्ष डोभाल, प्रो. डॉ. इंदू पांडे खंडूरी और अनूप नौटियाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, देहरादून के गणमान्य नागरिक और विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के आयोजन और परिणामों की जानकारी संस्था के सचिव हिमांशु धूलिया ने दी।

हाउस टैक्स जमा करने की मोहलत बढ़ी, अब 15 जनवरी तक ब्याज-सरचार्ज से मिलेगी पूरी छूट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम के हाउस टैक्स बकायेदारों के लिए राहत भरी खबर है। एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का लाभ लेने से छूट गए भवन स्वामियों को शासन ने एक और मौका दिया है। योजना की समयसीमा एक महीने बढ़ा दी गई है। अब भवन स्वामी 14 दिसंबर तक योजना में आवेदन कर सकेंगे, जबकि बकाया हाउस टैक्स जमा करने की अंतिम तारीख 15 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। योजना के तहत पुराने बकाये पर लगने वाले ब्याज और सरचार्ज में पूरी छूट दी जा रही है। ऐसे में भवन स्वामियों को केवल मूल हाउस टैक्स जमा करके बकाये का निस्तारण कराने का अवसर मिलेगा। नगर निगम की ओर से संचालित इस योजना के तहत अब तक करीब 2700 भवन स्वामी आवेदन कर चुके हैं। इनके आवेदन के आधार पर 19 करोड़ रुपये का डिमांड जनरेट हुआ है, लेकिन निगम के खाते में अभी तक केवल पांच करोड़ रुपये ही जमा हुए हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में भवन स्वामियों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। पहले योजना में शामिल होने के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 14 नवंबर निर्धारित थी। शासन ने इसे बढ़ाकर अब 14 दिसंबर कर दिया है। इसी तरह बकाया हाउस टैक्स जमा करने की अंतिम तारीख भी 15 दिसंबर से बढ़ाकर 15 जनवरी 2027 कर दी गई है। इससे उन भवन स्वामियों को अतिरिक्त समय मिल गया है, जो किसी कारण से निर्धारित समय में आवेदन नहीं कर पाए थे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का आगाज, 350 विद्यार्थियों ने लिया सुरक्षित सफर का संकल्प

विधायक संजीव शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, 350 विद्यार्थियों ने ली यातायात नियमों के पालन की शपथ








वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए सोमवार को जिले में सड़क सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। मेरठ रोड स्थित एचआरआईटी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन सदर विधायक संजीव शर्मा ने किया। इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में करीब 350 छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली।

विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल परिवहन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। यातायात नियमों का पालन करके ही सड़क हादसों में कमी लाई जा सकती है।

उन्होंने युवाओं से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, तेज गति से वाहन न चलाने और वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अंकिता शुक्ला ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा विषय पर आशुभाषण प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें करीब 15 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विधायक संजीव शर्मा और पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन 30 नवंबर तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करेंगे।

17 नवंबर को जारी होगी ड्राफ्ट मतदाता सूची, 16 दिसंबर तक दर्ज होंगी आपत्तियां; घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

जिलाधिकारी ने निर्वाचन अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर होगी कार्रवाई





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिले में विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत 17 नवंबर को आलेख्य (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। सोमवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने कवि नगर रामलीला मैदान स्थित जानकी भवन में पांचों विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ और सुपरवाइजर के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी सभी कार्य पूरी पारदर्शिता और शुद्धता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं।

जिलाधिकारी ने बताया कि 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। वहीं, 17 से 30 नवंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान बीएलओ बूथों पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लापरवाही और अनावश्यक अवकाश लेने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। साथ ही अधिकारियों को ईसीआई नेट ऐप डाउनलोड कराने और नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम जांचने की अपील की। नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 और विवरण संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरने की जानकारी भी दी।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित 29 वर्षीय रिषभ चौधरी गिरफ्तार

टीला मोड़ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोचा, शालीमार गार्डन थाने में दर्ज है मुकदमा



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 15 नवंबर 2026 को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रिषभ चौधरी (29) पुत्र अनिल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गुलमोहर ग्रीन सोसायटी, थाना साहिबाबाद, गाजियाबाद का निवासी है। उसके खिलाफ थाना शालीमार गार्डन में मुकदमा संख्या 267/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज है। आरोपी इस मामले में वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

विवेकानंद नगर में मामूली कहासुनी पर बवाल, दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे और पत्थर

पथराव में दुकानों और ठेली-पटरी को नुकसान, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा; सीसीटीवी से उपद्रवियों की पहचान में जुटी पुलिस





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र के विवेकानंद नगर स्थित पुल के नीचे मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। नक्ष और दीपक नाम के दो युवकों के बीच शुरू हुए विवाद में दोनों पक्षों के परिजन आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव शुरू हो गया। अचानक हुए हंगामे से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पथराव और भगदड़ में आसपास की कई दुकानों और ठेली-पटरी को नुकसान पहुंचा। वहीं, सड़क पर लोगों के जमा होने से यातायात भी प्रभावित हुआ।

सूचना पर कार्यवाहक एसीपी उपासना पांडे और कविनगर एसएचओ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों को खदेड़कर स्थिति नियंत्रित की। बाद में दोनों पक्षों ने थाने पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ लिखित शिकायत दी।

कार्यवाहक एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि विवाद की शुरूआत मामूली बात को लेकर हुई थी। पुलिस ने समय रहते स्थिति संभालकर यातायात सुचारू करा दिया। सीसीटीवी कैमरों और वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

दुकानों को हुए नुकसान सहित दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच की जा रही है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वेव सिटी में अउ का आउटडोर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी का माल और बलेनो कार बरामद

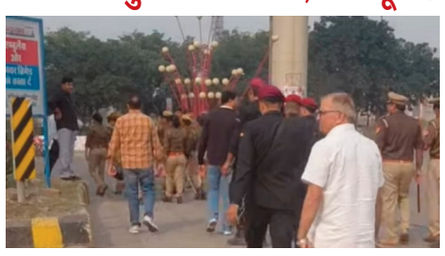


वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना पुलिस ने निमार्णाधीन साइट से एसी का आउटडोर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया वोल्टास कंपनी का एक एसी आउटडोर और वारदात में इस्तेमाल की गई बलेनो कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 16 नवंबर को सेक्टर-1 मधुसूदन टफ्रऊनिवासी नागेंद्र तिवारी ने शिकायत दी थी कि वेव सिटी सेक्टर-1 स्थित निमार्णाधीन साइट के कंटेनर के बाहर लगे कार्यालय के एसी का आउटडोर अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। चेकिंग के दौरान मैनुअल इनपुट के आधार पर पुलिस ने गैलेरिया मॉल के पीछे नाले के पास कच्चे रास्ते से शहजाद (24) और शमशाद (20), निवासी रसूलपुर सिकरोड़ा, थाना मसूरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2)/3(5) की बढ़ोतरी की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

किसानों के प्रदर्शन से छावनी बना ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण परिसर

महिलाओं समेत बड़ी संख्या में किसान आंदोलन में हुए शामिल, प्राधिकरण परिसर में भारी पुलिस बल तैनात; मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान




वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर सोमवार को 44 गांवों के किसानों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। किसान 4 प्रतिशत आबादी के प्लॉट आवंटित करने की मांग को लेकर प्राधिकरण परिसर पहुंचे। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान और महिलाएं शामिल हुईं। किसानों ने प्राधिकरण के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की आवाज उठाई। किसानों के प्रदर्शन और आक्रोश को देखते हुए प्राधिकरण परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई, जिससे प्राधिकरण परिसर छावनी में तब्दील नजर आया। किसानों का कहना है कि लंबे समय से 4 प्रतिशत आबादी प्लॉट की मांग की जा रही है, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कॉल करने के लिए मांगा मोबाइल, फिर बैग और खाते से भी 2.80 लाख रुपये उड़ाए

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मदद के नाम पर अनजान व्यक्ति को मोबाइल फोन देना एक युवक को भारी पड़ गया। एनएच-9 पर दो बदमाशों ने कॉल करने के बहाने युवक से मोबाइल मांगा और फिर ऐसी चाल चली कि उसका फोन ही नहीं, बल्कि बैग भी गायब हो गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित के बैंक खाते से भी करीब 2.80 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अलीगढ़ के बरला थाना क्षेत्र के गांव परौरा निवासी सौरभ कुमार 12 नवंबर की रात करीब आठ बजे एनएच-9 स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास उतरे थे। उन्हें ताज हाईवे जाने के लिए ऑटो का इंतजार था। इसी दौरान दो युवक उनके पास पहुंचे। उनमें से एक ने जरूरी कॉल करने का बहाना बनाकर सौरभ से मोबाइल फोन मांग लिया। सौरभ ने मदद की नीयत से अपना मोबाइल उसे दे दिया और अपना बैग पैरों के बीच रख लिया। मोबाइल हाथ में आते ही आरोपी तेजी से भागने लगा। सौरभ अपना बैग वहीं छोड़कर उसके पीछे दौड़े, लेकिन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर गायब हो गया। जब वह वापस लौटे तो उनका बैग भी मौके से गायब था। इस दौरान दूसरे बदमाश ने बैग पार कर दिया था। बैग में एक लैपटॉप, जरूरी दस्तावेज, 40 हजार रुपये नकद और दो अन्य मोबाइल फोन रखे हुए थे। पीड़ित के मुताबिक, आरोपियों ने मोबाइल और बैग में मौजूद सामान का इस्तेमाल कर उनके एटीएम और यूपीआई के माध्यम से बैंक खाते से करीब 2.80 लाख रुपये भी निकाल लिए।

दिव्यांश शर्मा के शतक से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की शानदार जीत, 9 विकेट से हराया

दिव्यांश ने 103 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को दिलाई एकतरफा जीत, बने मैन ऑफ द मैच




वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आज खेले गए क्रिकेट मुकाबले में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने यंग एयर सन को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए यंग एयर सन की टीम ने 40 ओवर में 198 रन बनाए। टीम की ओर से शिवाय ने 40, अनमोल ने 20 और तक्ष राज ने 18 रन का योगदान दिया। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से शिवा सहरावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए, जबकि चेतनशी, दिव्यांश शर्मा और दर्श त्यागी ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 36 ओवर में ही एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिव्यांश शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 103 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। आदित्य भंडारी ने 35 रन नाबाद और रुद्र शर्मा ने 21 रन बनाए। शानदार शतक लगाने वाले दिव्यांश शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

100 बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाएगा इनर व्हील क्लब, 100 बच्चों को मिले स्वेटर और मोजे

वेलकम इंडिया संवाददाता




एनसीआर/ग्रेटर नोएडा। बाल दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ नवीन ग्रेटर नोएडा, डिस्ट्रिक्ट 301 ने जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के साथ उन्हें शिक्षा और सेवा का संदेश दिया। सर्दियों के आगमन को देखते हुए क्लब की ओर से सोमवार को शिक्षा हब, साईं अक्षरधाम में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 100 जरूरतमंद बच्चों को नए फुल स्लीव स्वेटर और मोजे वितरित किए गए। क्लब की इस पहल का उद्देश्य बच्चों को ठंड से बचाने के साथ उनकी पढ़ाई को बिना किसी बाधा के जारी रखने में सहयोग करना रहा। कार्यक्रम के दौरान क्लब अध्यक्ष अंकिता सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी बच्चे की पढ़ाई सर्दी के कारण प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बच्चों को गर्म कपड़े उपलब्ध कराना केवल सहायता करना नहीं, बल्कि उनके बेहतर भविष्य के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना है। उन्होंने कहा कि क्लब के सभी सदस्य बच्चों की शिक्षा, खुशियों और सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करते हैं। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उनकी निरंतर प्रगति ही क्लब के लिए सबसे बड़ा संतोष है। समाजसेवा किसी पर एहसान नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और सेवा भावना है। क्लब सदस्यों ने बच्चों को स्वेटर और मोजे वितरित करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने तथा जीवन में अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके जरिए बच्चे अपने जीवन में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। जरूरतमंद बच्चों को सहयोग देकर उनके भीतर आत्मविश्वास जगाना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। क्लब की ओर से बच्चों को भरोसा दिलाया गया कि उनकी शिक्षा और खुशियों के लिए इस तरह के सेवा कार्य आगे भी जारी रहेंगे। कार्यक्रम को बच्चों के लिए और अधिक उत्साहपूर्ण बनाने के उद्देश्य से ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। क्लब सदस्यों ने बच्चों की कलाकृतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता में शामिल बच्चों को खाने-पीने की सामग्री और उपहार भी वितरित किए गए। इससे बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। सदस्यों ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियां भी बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस सेवा परियोजना को सफल बनाने में सुनीता गर्ग, डॉ. अदिति भारद्वाज, मधुशी वर्मा और डॉ. शैली गर्ग सहित क्लब की सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में क्लब की पूर्व अध्यक्ष अनिता सिंघला और सदस्य सोनिया त्यागी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवार परिवार को रौंदा, मां-बेटे की मौके पर मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी क्षेत्र में एनएच-9 पर तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवार परिवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर पीछे बैठी महिला और उसके नौ माह के मासूम बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, बाइक चला रहा पति और चार वर्षीय दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मासूम का बायां पैर शरीर से अलग हो गया। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, हापुड़ जिले के पिलखुवा थाना क्षेत्र के गांव सिखैड़ा निवासी असलम (33) पुत्र अली हसन 14 नवंबर को अपनी पत्नी गुलशन (32), नौ माह के बेटे अरसलान और चार वर्षीय बेटे रियान के साथ स्प्लेंडर बाइक से मुरादनगर के कनौजा गांव में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। शादी उनकी पत्नी के मौसेरे भाई इसरार की थी। दोपहर करीब ढाई बजे परिवार एनएच-9 पर हापुड़ से गाजियाबाद की ओर जा रहा था। बताया गया कि परिवार जब सुंदरदीप कॉलेज के पास पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे महिंद्रा कैंटर ने लापरवाही से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार सभी लोग सड़क पर गिर पड़े।